● वर्ष-3
● अंक-110
रायपुर, शनिवार
16 दिसंबर 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› फैशन में बॉलीवुड एक्ट्रेस को मात...

निगम, मंडल, आयोग में नियुक्तियां भंग

सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किया आदेश

रायपुर। प्रदेश में भाजपा सरकार के गठन के बाद एक और बड़ा निर्णय लेते हुए सरकार ने निगम, आयोग व मंडल में कांग्रेस द्वारा की गई नियुक्तियां भंग कर दी है। अलग-अलग विभागों में कांग्रेस सरकार ने अपने नेताओं की नियुक्तियां की थी।

प्रदेश में भाजपा सरकार बनने क बाद कुछ नेताओं ने स्वमेव इस्तीफा दे दिया था,वहीं कुछ नेता अभी भी पदों पर बने हुए थे।सामान्य प्रशासन विभाग ने विभागों को पत्र जारी करते हुए पुरानी नियुक्तियां समाप्त करने के आदेश दिए हैं। अब निगम, मंडल व आयोगों में भाजपा अपने नेताओं की नियुक्तियां करेगी। जानकारी के मुताबिक अलग-अलग विभागों में 200 से अधिक पदों पर पूरी तरह नियुक्ति होने में एक से डेढ़ महीने का वक्त लग सकता है। मंत्रिमंडल के गठन के बाद नए सिरे से मंडलों व निगमों में पद बांटे जाएंगे।

इन निगम, मंडल, प्राधिकरण व आयोग में पदों पर होगी नई नियुक्ति-

छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम, छत्तीसगढ़ राज्य भंडार गृह निगम, राज्य खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम, छत्तीसगढ़ राज्य खनिज विकास निगम, छत्तीसगढ़ अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम, छत्तीसगढ़ राज्य पाठ्य पुस्तक निगम, छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग, छत्तीसगढ़ राज्य गौ-सेवा आयोग, छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग, छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग, छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग, अन्य पिछड़ा वर्ग प्राधिकरण, अनुसूचित जाति प्राधिकरण, राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण, रायपुर विकास प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक (अपेक्स), छत्तीसगढ़ राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, छत्तीसगढ़ राज्य गृह निर्माण मंडल, छत्तीसगढ़ राज्य हस्तशिल्प विकास बोर्ड, छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण बोर्ड, छत्तीसगढ़ राज्य वनौषधि पादप बोर्ड, छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड, छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी, छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड आदि।

संसद हंगामा: हुआ बड़ा खुलासा

मणिपुर मुद्दे पर नारे, जूते के सोल में स्मोक को लेकर हुई एफआईआर

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने लोकसभा सुरक्षा उल्लंघन में शामिल चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में ड्यूटी ऑफिसर द्वारा दर्ज की गई पहली सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) से अब इस बात का खुलासा हुआ है कि घुसपैठ की साजिश कैसे रची गई थी। एफआईआर के मुताबिक, सागर शर्मा ने धुएं का गुबार अपने जूतों के अंदर छिपा रखा था। उन्होंने स्पोर्ट्स जूते पहने हुए थे जिन्हें इस उद्देश्य के लिए संशोधित किया गया था। सबसे पहले उनके जूतों के रबर सोल की मोटाई बढ़ाई गई। फिर, बाएं जूते के तलवे के अंदर एक गड्ढा खोदा गया। दाहिने जूते का तलवा भी आंशिक रूप से कटा हुआ पाया गया।

सागर शर्मा और मनोरंजन डी द्वारा प्रयुक्त रंगीन धुआं फोड़ने वाले दो गीले कनस्तरों को भी जब्त कर लिया गया है। दोनों मणिपुर हिंसा पर

भी नारे लगाने की योजना बना रहे थे। एफआईआर के अनुसार, दोनों के पास से दो फटे और क्षतिग्रस्त पर्चे पाए गए - एक में अंग्रेजी में मुद्रित जय हिंद नारा और तिरंगे में मुट्ठी की तस्वीर थी और दूसरे में मणिपुर मुद्दे पर एक अंग्रेजी नारा था। दो अन्य संदिग्धों अमोल शिंदे और नीलम को संसद भवन के बाहर गिरफ्तार किया गया। वे सागर शर्मा और मनोरंजन डी के सहयोगी पाए गए, जो समान विघटनकारी गतिविधियों में संलग्न थे। संदिग्धों को हिरासत में लेने वाले एएसआई सुरेंद्र पाल ने सबूत के तौर पर रचनात्मक रंग के धुएं के चार इस्तेमाल किए गए कनस्तर और एक अप्रयुक्त कनस्तर का उत्पादन किया।

एफआईआर से संकेत मिलता है कि प्रारंभिक जांच में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की धारा 16 और 18 के तहत अपराध का पता चलता है। आरोपों में लोक सेवकों के काम में बाधा डालना, लोक सेवकों को कर्तव्य निर्वहन से रोकने के लिए उन पर हमला करना या आपराधिक बल का प्रयोग करना, घर में अतिक्रमण करना, धर्म, नस्ल आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना और आपराधिक साजिश शामिल हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार मामले को आगे की जांच के लिए स्पेशल सेल को भेज दिया गया है। चारों आरोपी व्यक्तियों को संसद परिसर के अंदर उनके कार्यों के लिए कानूनी परिणाम भुगतने की उम्मीद है।

संसद पर 2001 में किए गए आतंकी हमले की बरसी के दिन बुधवार को, सुरक्षा में चूक की बड़ी घटना उस वक्त हुई, जब लोकसभा की कार्यवाही के दौरान दर्शक दीर्घा से दो लोग सदन के भीतर कूद गए और 'केन' के जरिये पीले रंग का धुआं फैला दिया।

कांग्रेस ने किया साफ, जब तक गृह मंत्री बयान नहीं देते, संसद चलने की संभावना कम

संसद में सुरक्षा चूक का मामला अब राजनीतिक रूप से गंभीर होता दिखाई दे रहा है। विपक्षी दल लगातार इस मामले को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग कर रहे हैं। दोनों ही सदनों में आज जबरदस्त तरीके से हंगामा हुआ जिसके बाद सदन के कार्यवाही को स्थगित करनी पड़ी। शीतकालीन सत्र में यह लगातार दूसरा दिन था जब दोनों सदनों के कार्यवाही नहीं हो सकी। इन सब के बीच कांग्रेस ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक गृह मंत्री अमित शाह पूरे मामले को लेकर बयान नहीं देते, संसद चलने की संभावना बेहद ही कम है। कांग्रेस के जयराम रमेश ने कहा कि जब तक गृह मंत्री संसद के दोनों सदनों में आकर बयान नहीं देंगे, तब तक बहुत कम संभावना है कि संसद चलेगी। उन्होंने कहा कि शीतकालीन सत्र के अभी भी 4 दिन बचे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, इंडिया एलायंस के सभी फ्लोर नेताओं ने राज्यसभा के अध्यक्ष को इस मांग के बारे में सूचित किया है। गृह मंत्री को आना चाहिए,

विधायक रामविचार नेताम होंगे प्रोटेम स्पीकर

रायपुर. वरिष्ठ बीजेपी विधायक रामविचार नेताम को प्रोटेम स्पीकर बनाया गया है. नेताम नवनिर्वाचित विधायकों को विधानसभा में शपथ दिलायेंगे. नेताम रामानुजगंज से विधायक हैं. उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. अजय तिर्की को 29663 वोट से हराया है. विधानसभा का शीतकालीन सत्र 19, 20 और 21 दिसंबर को होगा, जिसमें रामविचार नेताम सभी नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाएंगे.

प्रोटेम स्पीकर के कार्य

- नए सदस्यों को शपथ दिलाना
- विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव कराना
- फ्लोर टेस्ट का काम करना
- स्थायी स्पीकर चुने जाने तक सदन की गतिविधियों को संचालित करना.
- सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने का कार्य भी प्रोटेम स्पीकर को ही करना होता है.

छत्तीसगढ़ में अब तक ये बने हैं प्रोटेम स्पीकर

- प्रथम विधानसभा- महेंद्र बहादुर सिंह
- द्वितीय विधान सभा- राजेंद्र प्रसाद शुक्ल
- तृतीय विधान सभा- बोधराम कंवर
- चतुर्थ विधान सभा- सत्य नारायण शर्मा
- पंचम विधान सभा- रामपुकार सिंह
- अब छठवीं विधान सभा के प्रोटेम स्पीकर रामविचार नेताम होंगे.

जानिए रामविचार नेताम के बारे में

एक किसान परिवार में जन्मे रामविचार नेताम ने अपनी प्रारम्भिक शिक्षा गांव में शुरू की. इसके बाद रामचंद्रपुर से आठवीं बोर्ड की परीक्षा पास कर हाईस्कूल की पढ़ाई रामानुजगंज में की.

रामानुजगंज छात्रावास में रहकर उन्होंने अपनी हाईस्कूल की पढ़ाई पूरी की थी. नेताम कॉलेज की पढ़ाई करने के लिए अंबिकापुर चले गए, जहां उन्होंने अपनी कॉलेज की पढ़ाई पूरी की. रामविचार नेताम भाजपा के कद्दावर नेता होने के साथ ही आदिवासी चेहरा भी हैं. नेताम छत्तीसगढ़ सरकार में गृहमंत्री भी रह चुके हैं. साथ ही राज्यसभा सांसद भी रहे हैं.

डूब मरो, हमने कभी भी ऐसे मुद्दों पर राजनीति नहीं की

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों में बुधवार को लोकसभा में सुरक्षा उल्लंघन को लेकर गुरुवार और शुक्रवार को भारी हंगामा हुआ- जिसके परिणामस्वरूप एक दर्जन सांसदों को निलंबित कर दिया गया। इन सब के बीच भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शुक्रवार को पूछा कि विपक्षी नेता पीएम मोदी या गृह मंत्री अमित शाह से बयान लेने पर क्यों तुले हुए हैं जबकि सरकार लोकसभा की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार नहीं है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि लोकसभा की सुरक्षा सरकार की नहीं लोकसभा सचिवालय की जिम्मेदारी है, इस पर गृह मंत्री क्यों जवाब देंगे?

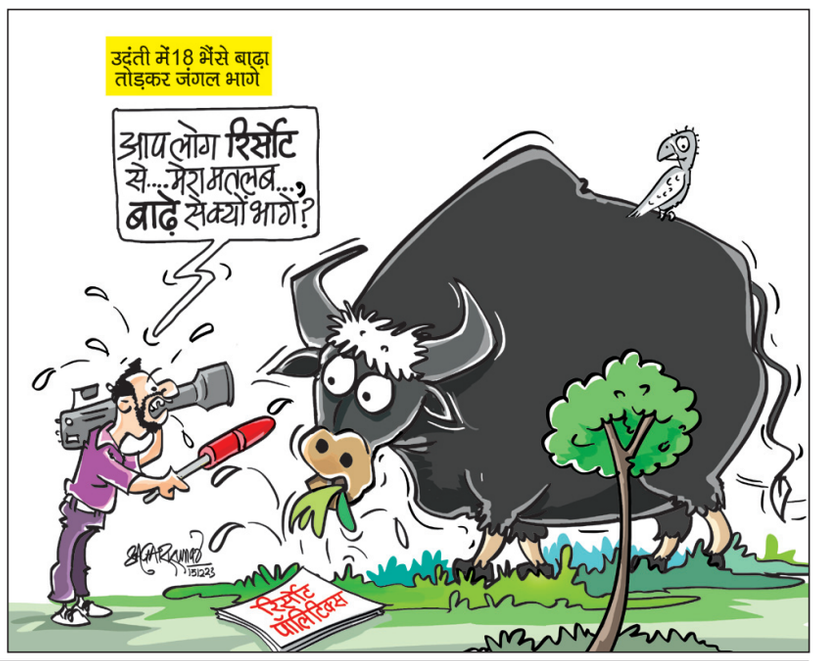

प्रमुख समाचार

अंबिका सिंहदेव पर कांग्रेसी कार्यकर्ता को थप्पड़ मारने का आरोप

कोरिया. बैकुंठपुर विधानसभा सीट की पूर्व विधायक अंबिका सिंहदेव पर कांग्रेसी कार्यकर्ता ने थप्पड़ मारने का आरोप लगाया है. बताया जा रहा है कि अंबिका सिंहदेव सोशल मीडिया में अपने खिलाफ की गई पोस्ट से नाराज थीं. घटना के बाद आक्रोशित ब्राह्मण समाज के लोगों ने सिटी कोतवाली बैकुंठपुर में पूर्व विधायक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है. साथ ही शनिवार को पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन की बात कही है. बता दें कि अंबिका सिंहदेव बैकुंठपुर सीट से कांग्रेस पार्टी की विधायक रह चुकी हैं, जो 2023 विधानसभा चुनाव में बुरी तरह चुनाव हारने के बाद नाराज चल रही हैं. युवकों ने विधायक पर थप्पड़ मारने और धमकी देने का आरोप लगाया है. विधायक के खिलाफ सिटी कोतवाली बैकुंठपुर में शिकायत भी की है. बताया जा रहा है कि आज शाम युवक बैकुंठपुर के पैलेस के समीप बाइक से गुजर रहे थे, तभी पूर्व विधायक अंबिका सिंह देव अपने निजी सचिव भूपेंद्र सिंह और ड्राइवर चंदन सोनी के साथ वहां पहुंची और युवकों को रुकवाया. सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखने की बात कहते हुए एक युवक को थप्पड़ भी जड़ दिया.

वकील पति पत्नी पर गोली चलाकर फरार

रायपुर। आपसी विवाद के चलते वकील ने अपनी पत्नी पर गोली चला दी। घायल पत्नी को अस्पताल में भर्ती किया गया है। पति फरार है जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। पूरा मामला डीडीनगर थाने का बताया जा रहा है जहां शुक्रवार की शाम को पेशे से वकील शुभांकर नंदी ने अपनी पत्नी पर लाइसेंस पिस्टल से गोली चला दी जिससे वह घायल हो गई। बताया जाता है कि गोली महिला के हाथ में लगी है, उसे तत्काल मेकाहारा में भर्ती किया गया है जहां उसकी हालत अभी स्थिर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची लेकिन उस समय तक पति शुभांकर नंदी घटनास्थल से फरार हो चुका था, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। हमले का कारण फिलहाल सामने नहीं आ पाया है लेकिन बताया जा रहा है कि किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच में विवाद हुआ और उसके बाद शुभांकर ने गोली चला दी।

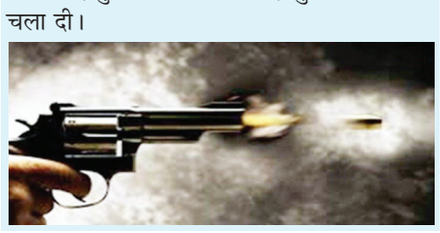

कोर्ट कैंपस में छोटे सरकार की गोली मारकर हत्या

दानापुर। बिहार के पटना जिले के दानापुर कोर्ट में पेशी के लिए पुलिस द्वारा लाये गये एक विचाराधीन कैदी की शुक्रवार को हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। बिहार पुलिस ने विचाराधीन कैदी पर गोली चलाने वाले दो हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया है। पटना के सिटी एसपी राजेश कुमार अभिषेक कुमार उर्फ छोटे सरकार को कोर्ट लाये थे जहां दो लोगों ने उन्हें गोली मार दी। सिटी एसपी ने कहा कि अभिषेक कुमार उर्फ छोटे सरकार पर दानापुर कोर्ट में दो लोगों ने हमला किया और उन्हें गोली मार दी। आगे की जांच चल रही है। हमले में अभिषेक कुमार की मौत हो गई। दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिषेक कुमार के खिलाफ कई मामले दर्ज किए गए थे। हालांकि हत्या के पीछे का मकसद स्पष्ट नहीं हो सका है. आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। पुलिस को घटना स्थल से कारतूस के 4 खोखा मिले हैं।

गर्भगृह के बाद फर्स्ट फ्लोर भी लगभग पूरा

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि तीरथ क्षेत्र ट्रस्ट ने अयोध्या में मंदिर की पहली मंजिल के चल रहे निर्माण को प्रदर्शित करने वाली तस्वीरें जारी की हैं। एक्स पर ट्रस्ट ने निर्माण कार्य दिखाने वाली चार छवियां साझा कीं। चूंकि राम मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा है, इसलिए सभी की निगाहें अगले साल 22 जनवरी को होने वाले भव्य उद्घाटन समारोह पर टिकी हैं। ट्रस्ट ने तस्वीरें साझा करते हुए कहा, श्री राम जन्मभूमि मंदिर पहली मंजिल - निर्माण प्रगति (एसआईसी)। आपको बता दें कि गर्भगृह भी तैयार हो चुका है। एक अधिकारी ने कहा कि राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा रिक्तियों के विज्ञापन के बाद कम से कम 3,000 उम्मीदवारों ने अयोध्या में राम मंदिर में पुजारी के पदों के लिए आवेदन किया था। ट्रस्ट के अधिकारी ने बताया कि इनमें से 200 उम्मीदवारों को योग्यता के आधार पर साक्षात्कार के लिए चुना गया।

मुख्तार अंसारी 26 साल पुराने केस में मिली 5 साल की सजा

नई दिल्ली। वाराणसी की एमपी/एमएलए कोर्ट ने कोयला कारोबारी नंद किशोर रूंगटा के अपहरण के बाद परिवार को धमकी देने के मामले में गैंगस्टर-राजनेता मुख्तार अंसारी को साढ़े पांच साल जेल की सजा सुनाई है और 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। मामला अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट/एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रहा था। स्पेशल मजिस्ट्रेट एमएलए कोर्ट ने आरोपियों को धारा 506 भाग 2 के तहत दोषी पाते हुए पांच साल छह माह की कैद और 10 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। मुख्तार पर कोयला कारोबारी नंद किशोर रूंगटा के भाई महावीर प्रसाद रूंगटा को धमकी देने का आरोप था। कोयला व्यवसायी नंद किशोर रूंगटा के अपहरण के बाद उनके परिवार के सदस्यों को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसके बाद, महावीर प्रसाद रूंगटा ने 5 नवंबर, 1997 को भेलूपुर पुलिस स्टेशन में बम की धमकी के संबंध में मामला दर्ज कराया। जांच के बाद, पुलिस ने उसी अवधि के दौरान धमकी के मामले में मुख्तार के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया। 22 जनवरी, 1997 को, मुख्तार के बहनोई और हज़ारीबाग़ के कोयला व्यवसायी अताउर रहमान बाबू, वाराणसी के भेलूपुर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में जवाहर नगर कॉलोनी में रहने वाले नंद किशोर रूंगटा के कार्यालय गए।

सो जा ऐ दिल अब धुँध, बहुत हैं तेरे शहर में....

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा की लोकसभा की सदस्यता रद्द हो गई। उन्हें कैश फॉर क्वेरी यानी पैसे लेकर सवाल पूछने के मामले में दोषी पाया गया है।लोकसभा की एथिक्स कमेटी ने उनकी सदस्यता रद्द करने की सिफारिश की थी।इस रिपोर्ट के आधार पर ही उनकी सदस्यता रद्द की गई है।इस रिपोर्ट को जब लोकसभा में पेश किया गया तो टीएमसी ने इसकी स्टडी करने के लिए कम से कम 48 घंटे का समय मांगा था।लेकिन लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने इसे खारिज कर दिया।संसद में महुआको बोलने का मौका नहीं मिला इस रिपोर्ट पर लोकसभा में वोटिंग हुई, सांसदों का बहु मत वोट महुआ मोइत्रा के खिलाफ रहा।ये पहला मामला नहीं है जब %कैश फॉर क्वेरी% मामले में किसी सांसद की सदस्यता रद्द हुई हो।इससे पहले 2005 में भी ऐसा ही मामला सामने आया था,तब 11 सांसद इसके लपेटे में आए थे।उसमे छग के भी भाजपा सांसद प्रदीप गाँधी भी शामिल थे।2005 में छत्रपालसिंह लोढ़ा भाजपा, अन्ना साहेब एम के पाटिल भाजपा,मनोज कुमार आरजेडी,चंद्रप्रताप सिंह भाजपा,रामसेवक सिंह कांग्रेस,नरेंद्र कुमार कुशवाहा बीएसपी,प्रदीप गांधी(राजनांदगांव छग) भाजपा,सुरेश चंदेल भाजपा,लालचंद्र कोल बीएसपी,वाईजी महाजन भाजपा,और राजाराम पाल बीएसपी,पर संसद में सवाल उठाने के लिए रिश्वत लेने का आरोप लगा था।

बोनस में मिली है कौशल्या....?

भाजपा ने रामललाऔर राममंदिर के नाम पर 2 सांसदों से देश सहित कई प्रदेशों में सरकार बनाई है, और अगले लोस चुनाव में भी राममंदिर निर्माण प्रमुख मुद्दा रहेगा यह तय दिख रहा है।हाल ही में छग में सीएम विष्णु देव साय यानि %विष्णु%,मप्र में सीएम मोहन यादव यानि %मोहन%(कृष्ण) तथा राजस्थान में सीएम भजनलाल शर्मा (ब्राह्मण) यानि %ब्रम्हा% की भी मदद निश्चित ही मिलेगी ऐसा लगता है।छत्तीसगढ़ में तो भाजपा को विष्णु के साथ बोनस में %कौशल्या%भी मिल गई है।पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने श्रीराम के ननिहाल के साथ छग की बेटीउनकी माता कौशल्या की धरती को बड़ा मुद्दा बनाया था।उन्होंने श्रीराम वनपथ गमन का भी जोर शोर से प्रचार किया था,पर उनकीसरकार नहीं बनी,अब छग की नई सरकार के मुखिया विष्णु देव साय बने हैं तो उनकी पत्नी का नाम ही कौशल्या है।उनकी सक्रियता दिखा रहीं है कि वे पति के राजनीतिक सफर में हम सफर की भूमिका अदा करेगी।

जातिगत जनगणना कही भारी तो नहीं पड़ी.....?

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के 15 सवर्ण उम्मीदवारों में से 13 की हार हुई है। जातिगत जनगणना के वादों के बीच कांग्रेस के इन सवर्ण उम्मीद वारों की हार कई सवालों को जन्म दे रही है।कांग्रेस ने इस बार राज्य की विधान सभा 90 सीट में से 15 सीटों पर ऊंची जातियों के उम्मीदवार उतारे थे।इनमें से आठ ब्राह्मण उम्मीदवार भी शामिल थे। ब्राह्मण उम्मीदवारों समेत उच्च जातियों के 13 कांग्रेस उम्मीदवारों को इस बार हार का सामना करना पड़ा इन 13 उम्मीदवारों में पिछली कांग्रेस सरकार के उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव, मंत्री रवींद्र चौबे,मंत्री जय सिंह अग्रवाल,वरिष्ठ विधायक अमितेश शुक्ला औरअरुण वोरा शामिल हैं। उच्च जाति वर्ग के केवल दो कांग्रेस उम्मीद वार राघवेंद्र सिंह और अटल श्रीवास्तव जरूर चुनाव जीतने में कामयाब रहे।तीन बार के विधायक निवर्त मान उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव कोअंबिका पुर सीट पर भाजपा के राजेश अग्रवाल के हाथों 94 वोट के अंतर से हार का सामना करना पड़ा। तीन बार के विधायक और निवर्तमान मंत्री जय सिंह अग्रवाल अपनी कोरबा सीट भाजपा के लखनलाल देवांगन से 25,629 मतों के अंतर से हार गए।ब्राह्मण समुदाय के आठ कांग्रेस उम्मीदवारों भी चुनाव हार गए हैं,अब कांग्रेस ब्राह्मण विहीन विधानसभा में हो गई है।रवींद्र चौबे साजा,अमितेश शुक्ला राजिम,महंत रामसुंदर दास रायपुर दक्षिण,विकास उपाध्याय रायपुर पश्चिम,अरुण वोरा दुर्ग शहर,पंकज शर्मा रायपुर ग्रामीण,शैलेश पांडे बिलासपुर,शैलेश नितिन त्रिवेदी बलौदा बाजार शामिल हैं।इधर भाजपा से चार ब्राम्हण विधायक बने हैं जिसमें अनुज शर्मा (धरसींवाँ)विजय शर्मा (कवर्धा)सुशांत शुक्ला (बेलतरा)पुरंदर मिश्रा (रायपुर उत्तर)शामिल हैं।विशेषज्ञों के अनुसार छग में जातिगत जनगणना और ओबीसी को लुभाने की कांग्रेस की कोशिश ने ऊंची जातियों के साथ अनुसूचित जन जाति श्रेणी के उम्मीद वारों की संभावनाओं को प्रभावित किया है।

जुनेजा के बाद कौन बनेगा पुलिस मुखिया ...?

अशोक जुनेजा छग में पूर्णकालीन डीजीपी 5 अगस्त 22 को बन गये थे,गृह विभाग ने आदेश में स्पष्ट लिखा था कि पुलिस बल के प्रमुख पदभार ग्रहण करने के बाद 2 साल तक इस पद पर बने रह सकेंगे। इस हिसाब से वे अगस्त24 में रिटायर होंगे पर बदली राजनीतिक परिस्थिति में कुछ भी कहा नहीं जा सकता है?इधर डीजी पद के लिये डीसीपी का भी अभी इंतजार है।इसके बाद कुछ सीनियर आईपीएस डीजी पदोन्नत हो सकते हैं।इधर विशेष डीजी राजेश मिश्रा अगले महीने जनवरी 24 में रिटायर होंगे इसलिये ये तो दौड़ से बाहर ही हो गये हैं?वहीँ अरुण देव गौतम जुलाई 27,पवन देव जुलाई 28,हिमांशु गुप्ता जून 29,एसआरपी कल्लूरी मई 31,प्रदीप गुप्ता जुलाई 31,विवेकानंद सिन्हा जनवरी 32,दीपांशु काबरा जुलाई 34 में रिटायर होंगे। इधर प्रति नियुक्ति पर होने वाले वरिष्ठ आईपीएस रवि सिन्हा जनवरी 24,स्वागत दास नवम्बर 24,जयदीप जुलाई 30 में रिटायर होंगे तो एडीजी तथा सीबीआई में संयुक्त संचालक पदस्थ रहे अमित कुमार की छग वापसी हो रही है वे दिसंबर 35 में सेवानिवृत होंगे।

भूविस्थापितों ने एसईसीएल के खिलाफ जमकर की नारेबाजी

न नौकरी मिली न मुआवजा, सीजीएम कार्यालय के गेट पर जड़ा ताला

कोरबा। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड दीपिका क्षेत्र में कई प्रकार की समस्याओं से जूझ रहे विस्थापितों की नाराजगी बढ़ती जा रही है। तीन महीने पहले अल्टीमेटम देने पर भी जब कोई काम नहीं हुआ तो उन्होंने दीपिका में मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय के गेट पर ताला जड़ दिया और नारेबाजी की। मामले को देखते हुए यहां पुलिस बल और विभागीय सुरक्षा कर्मियों ने मोर्चा संभाला।

दीपिका क्षेत्र की कोयला खदान के लिए जमीन देने वाले आसपास के लोगों को कई प्रकार के मुश्किलों से जूझना पड़ रहा है। अपनी जमीन अर्जित होने के कई वर्ष बीतने के बाद भी इन लोगों को न तो रोजगार मिल सका है और न ही दूसरी सुविधाएं। विस्थापित समुदाय के द्वारा ऐसे मसले को लेकर प्रबंधन को अल्टीमेटम दिया गया था और तीन महीने के बाद चरणबद्ध आंदोलन करने की घोषणा की गई थी।

इसके अंतर्गत पहले चरण में सीजीएम कार्यालय दीपिका के मुख्य प्रवेश द्वार पर ताला बंद कर दिया गया। इसके बाद प्रदर्शन कार्यों ने मौके पर नारेबाजी की। उनका आरोप है कि तीन दशक से भी पहले उनकी जमीन ली गई थी, लेकिन अब तक नौकरी का पता नहीं है। भूविस्थापित कविता कंवर ने बताया कि एसईसीएल काफी लंबे समय से भू-स्थापितो के साथ छलावा करते आ रहे हैं। जमीन तो ले ली, लेकिन नौकरी और मुआवजा के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। कई बार आंदोलन किया और प्रदर्शन किया, लेकिन प्रबंधन इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा। मजबूरन आज गेट बंद करना पड़ा।

प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए यहां पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात किया गया। प्रदर्शन करने वाले लोगों ने ऐलान किया है कि तालाबंदी अभियान शुरुआती स्तर की योजना का हिस्सा है। इसके आगे अलग-अलग चरण में कई प्रकार से प्रदर्शन किए जाएंगे और साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के अधिकारियों को अपना उदासीन रवैया समाप्त करने के लिए मजबूर किया जाएगा।

हाईकोर्ट ने थाना प्रभारी को कोर्ट रूम में खड़ाकर तुरंत स्टाफ बदलने का दिया आदेश

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने परमिट मामले में हो रहे फर्जीवाड़े को लेकर रायपुर आरटीओ को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने जल्द से जल्द पूरा स्टाफ बदलने का आदेश भी दिया। इसके साथ ही रायपुर के खमतराई थाना प्रभारी को भी 10 बजे हाजिर न होने पर नाराजगी जताते हुए 25 मिनट तक कोर्ट रूम में ही रहने के निर्देश दिए। कोर्ट ने सड़क परिवहन अधिकारी कार्यालय में हो रही गड़बड़ी और परमिट को लेकर फर्जीवाड़े की शिकायत के मामले में चल रही सुनवाई के दौरान आदेश जारी किया है। कोर्ट ने आरटीओ रायपुर के एक कर्मचारी के सालों से एक ही जगह पर टिके होने को लेकर नाराजगी जाहिर की और अधिकारी को फटकार भी लगाई।

सड़क परिवहन अधिकारी कार्यालय रायपुर में हो रही गड़बड़ी और परमिट को लेकर हो रहे फर्जीवाड़े की शिकायत के मामले में कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है। सुनवाई में कोर्ट ने उपस्थित आरटीओ अधिकारी कीर्तिमान सिंह ठाकुर को कड़े शब्दों में हो रहे फर्जीवाड़े को रोकने के निर्देश दिए, इसके अलावा आरटीओ का पूरा स्टाफ बदलने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए गड़बड़ी को रोकने सख्त कदम उठाने के भी निर्देश दिए हैं। आरटीओ स्टाफ के एक कर्मचारी के सालों से एक ही जगह टिके होने की बात पर आश्चर्य जाहिर करते हुए उन्हें भी बदलने के निर्देश दिए हैं।

कोर्ट ने इस मामले में चल रही सुनवाई में जस्टिस एन के व्यास ने रायपुर खमतराई थाना प्रभारी को सुबह 10 बजे पेश होने कहा था, लेकिन थाना प्रभारी दोपहर 1 बजे पेश हुए। जिससे कोर्ट नाराज हो गया और उन्हें डेढ़ बजे से शाम 4 बजकर 25 मिनट तक कोर्ट में ही रहने को कहा। रायपुर जिला क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कार्यालय में हो रहे परमिट में घोटाले के मामले को लेकर कोर्ट ने रायपुर आरटीओ अधिकारी कीर्तिमान सिंह ठाकुर को अगली सुनवाई 4 जनवरी को एक लिखित शपथ पत्र पेश करने भी कहा है।

कोर्ट ने शपथ पत्र में पूरे दफ्तर की व्यवस्था कैसे ठीक होगी और इसकी क्या योजना है, इसकी विस्तृत जानकारी देने को कहा है। कोर्ट ने आरटीओ कार्यालय के पूरे स्टाफ को बदलने के निर्देश जारी किए हैं। इस निर्देश पर प्रोग्रेस रिपोर्ट भी शपथ पत्र में मांगा है, क्योंकि पहले से चल रहे कोर्ट में फर्जीवाड़े और परमिट को लेकर मिलने वाले शिकायतों को लेकर कोर्ट ने सख्त रवैया अपनाया है। कोर्ट ने परमिट मामले में रायपुर आरटीओ के अधिकारियों को पूछा कि मामले की जानकारी उन्हें है या नहीं और नहीं है तो पूरे मामले की जानकारी एकत्र करें।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का आज होगा आयोजन

तैयारियों का जायजा लेने मुंगेली पहुंचे प्रभारी अधिकारी

मुंगेली। मुंगेली जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा के लिए तैयारियां की जा रही हैं। तैयारियों की समीक्षा करने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय नई दिल्ली के संयुक्त सचिव एवं जिले के प्रभारी अधिकारी कमलेश चतुर्वेदी मुंगेली पहुंचे। उन्होंने कलेक्टर राहुल देव से जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा के आयोजन हेतु की जा रही तैयारियों के संबंध में जानकारी ली।

कलेक्टर राहुल देव ने बताया कि संकल्प यात्रा के अंतर्गत शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ लक्षित लाभार्थियों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाने के लिए सभी अधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। विभिन्न स्तरों पर समिति का गठन किया गया है। साथ ही डे नोडल अधिकारियों और संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया है। वैन के माध्यम से प्रचार प्रसार हेतु विकासखंडवार रूट चार्ट तैयार कर लिया गया है। शासन के निर्देशानुसार 16 दिसंबर से इसका आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभाकर पाण्डेय मौजूद रहे।

कलेक्टर राहुल देव के निर्देशानुसार, जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने लगातार प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. देवेन्द्र पैकरा ने जिला चिकित्सालय में समस्त ओपीडी, आयुष क्लीनिक तथा 100 बिस्तर मातृ एवं शिशु अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अनुपस्थित चिकित्सकों तथा स्टाफ को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश प्रभारी आवासीय चिकित्सा अधिकारी को दिए।

निरीक्षण के दौरान बताया गया कि आयुष क्लीनिक में प्रतिदिन 18 से 20 ओपीडी देखी जा रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जिला अस्पताल में दंत रोग कक्ष, नाक, कान, गला रोग कक्ष, ऑपरेशन थियेटर कक्ष सहित अन्य कक्षों का निरीक्षण किया और पाई गई कमियों को दूर करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने एनसीडी कक्ष का भी निरीक्षण किया, जहां मरीजों का बीपी, शुगर एवं ईसीजी की जांच करना पाया गया। इस दौरान डॉ. के. एस. कंवर, डॉ. हिना पारख सहित नर्स उपस्थित थे।

हसदेव नदी में चैन माउंटेन मशीन से किया जा रहा रेत का अवैध खनन

मूक-बधिर बना बैठा प्रशासन, ग्रामीण परेशान

जांजगीर-चांपा। जांजगीर चांपा जिले के ग्राम बोरसी रेत घाट में इन दिनों रेत माफिया का कारोबार जोरों-शोरों से चल रहा है। ग्रामीणों के द्वारा विरोध करने पर जेल भेजने की धमकी दी जा रही है। हसदेव नदी में चैन माउंटेन मशीन को उतार कर रेत का अवैध रूप से खनन किया जा रहा है। वहीं, गांव में गायों के लिए बनाया गया चारागाह भी तबाह हो गया है साथ ही सड़को में बड़े बड़े गड्ढे हो गए हैं।

जानकारी के अनुसार, चैन माउंटेन मशीन से नदी के अंदर 12 से 15 फिट गड्ढे कर रेत निकली जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि रात भर बड़ी-बड़ी गाड़ियों का आना-जाना लगा रहता है, जिससे गांव के बाहर बने सड़क भी खराब हो चुकी है। सड़क में तीन फिट के गड्ढे बन चुके हैं। वहीं, गांव के जानवरों के लिए चारागाह भी बनाया गया था। मनमाने तरीके से रास्ता बनाकर चारागाह को नष्ट कर दिया गया है।

ग्रामीणों ने कहा कि नदी के किनारे बने पत्थर की चट्टानों को भी तोड़ दिया गया है। बरसात के दिनों में यदि नदी में बाढ़ अती है तो नदी के किनारे की मिट्टी कट जायेगी और नदी के किनारे खेतों को नुकसान होगा। ग्रामीणों का कहना है कि जब अवैध खनन को रोकने के लिए गए तो रेत निकल रहे कुशल कश्यप, गुलाबुदीन खान और हीरा लाल सोनी के द्वारा जेल भेजने की धमकी दी गई है।

जिला प्रशासन से ग्रामीणों ने रेत घाट बंद करने के लिए आवेदन भी दिया गया है। साथ ही जांच के लिए भी कहा गया, लेकिन कोई भी अधिकारी अब तक न तो जांच के लिए आया और न ही किसी प्रकार की उस ठेकेदार के ऊपर कार्रवाई की गई।

सरकार बदलते ही एक्शन में प्रशासन

112 एकड़ जमीन फर्जीवाड़ा मामले में की कार्रवाई, भू-माफिया का था कब्जा

सरगुजा। छत्तीसगढ़ में सरकार बदलते ही सरगुजा कलेक्टर कुंदन कुमार एक्शन मूड में हैं। कांग्रेसी नेताओं सहित अन्य लोगों द्वारा मैनपाट की शासकीय जमीनों को अपने नाम पर करा लेने का फर्जीवाड़ा मामला सामने आया था, लेकिन कांग्रेस सरकार में कार्रवाई धीमी गति से हो रही थी। सरकार बदलते ही कलेक्टर ने फर्जी तरीके से 112 एकड़ जमीन को अपने नाम कराने के मामले में कार्रवाई की है।

सरगुजा जिले के मैनपाट के ग्राम उरंगा, बरिमा सहित कमलेश्वरपुर की शासकीय जमीन को अपने नाम करने को लेकर ग्रामीणों ने कई बार जनदर्शन सहित कलेक्टर से मुलाकात कर शिकायत की थी, लेकिन कांग्रेसी नेताओं द्वारा फर्जीवाड़ा किए जाने की वजह से जांच धीमी गति से की जा रही थी। इसमें जमीन माफियाओं ने स्कूल और खेल मैदान सहित जंगल की जमीन तक को अपने नाम कर लिया था।

इधर सरगुजा कलेक्टर कुंदन कुमार ने कहा कि 3 महीना पूर्व शिकायतों की जांच की गई, जिसमें कब्जाधारियों द्वारा किसी भी तरह का कोई प्रमाण नहीं दिखाया गया। इसके बाद 112 एकड़ की जमीन को शासकीय मद पर स्थानांतरित कर दिया गया है। इस मामले में सम्मिलित 3 पटवारी और 2 आरआई को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। वहीं संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर मिलीभगत की कार्रवाई करने का आश्वासन कलेक्टर ने दिया है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

बेरला में गुड़ व्यापारी के घर इनकम टैक्स ने मारा छापा

बेमेतरा। बेमेतरा जिले में आईटी विभाग की टीम ने शुक्रवार की सुबह दबिश दी। नगर पंचायत बेरला में गुड़ व्यापारी हर्षद सुराना के घर पर आईटी विभाग की टीम जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि जिस समय टीम पहुंची थी, उस समय हर्षद सुराना अपने परिवार के साथ बाहर गए थे। उनके वापस आने के बाद टीम ने जांच शुरू की है। घर के बाहर पुलिस बल तैनात है। जानकारी अनुसार पूरे प्रदेश में आयकर विभाग (आईटी) ने गुरुवार को अनाज कारोबारी, ब्रोकरेज और कोल्ड स्टोरेज संचालकों के लगभग 50 ठिकानों पर दबिश दी थी। इसी में बेरला का व्यापारी भी शामिल है। लेनदेन के दस्तावेज, कंप्यूटर, लैपटॉप और स्टॉक व टर्नओवर की जांच की जा रही है। बैंक खातों व प्रापर्टी के साथ निवेश की भी जांच की जा रही है। काफी समय से आयकर विभाग के अधिकारियों की नजर इन कारोबारी प्रतिष्ठानों पर थी। कारोबारियों द्वारा भी टैक्स चोरी करने की लगातार शिकायतें मिल रही थी।

सरगुजा संभाग में पड़ रही कड़ाके की ठंड

सरगुजा। छत्तीसगढ़ में ठंडी हवाओं की वजह से तापमान में गिरावट का दौर जारी है। इससे और ठंड बढ़ गई है। प्रदेश में आज मौसम शुष्क रहेगा। सुबह और रात की तरह दिनभर ठंड पड़ रही है। वहीं बीते दिनों अंबिकापुर जिला सबसे ज्यादा ठंडा इलाका रहा है। गुरुवार को प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान 7.7 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में दर्ज किया गया। वहीं अधिकतम तापमान 28.8 डिग्री रायपुर में दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में आने वाले 5 दिनों में न्यूनतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। वहीं आज शुक्रवार को मौसम शुष्क रहेगा। मौसम एक्सपोर्ट का कहना है कि पिछले साल की तुलना में इस साल ज्यादा ठंड पड़ने की संभावना है। आने वाले 5 दिनों के बाद छत्तीसगढ़ में कड़ाके की ठंड पड़ेगी। राजधानी रायपुर में आज बादल साफ रहने की संभावना है। यहां की अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। वहीं सरगुजा संभाग में कड़ाके की ठंड है।

चलती ऑटो में बुजुर्ग महिला से दो अज्ञात युवकों ने की ठगी

बिलासपुर। शहर में बुजुर्ग महिला से शातिर तरीके से ठगी का मामला सामने आया है। दो अज्ञात आरोपियों ने बुजुर्ग महिला को नशीला पदार्थ सुंघाकर उसके गहने उतरवा लिए और बदले में नकली जेवर थमाकर भाग निकले। मामले में महिला की शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने धोखाधड़ी का केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है। यह मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, सिविल लाइन थाना क्षेत्र के अयोध्या नगर में रहने वाली 68 वर्षीय बुजुर्ग महिला महाराणा प्रताप चौक से नूतन चौक जाने के लिए आटो में बैठी। उसके साथ दो अज्ञात युवक भी उसी ऑटो में बैठ गए। बुजुर्ग महिला सोने का हार और हाथ में कंगन पहने हुई थी। जिसे अज्ञात आरोपियों ने निकाल लिया और महिला को वेयर हाउस रोड के पास ऑटो से उतार कर दूसरे आटो में बैठा दिया। बुजुर्ग महिला कुछ समझ पाती उससे पहले ही दोनों मौके से भाग गए। जिसके बाद महिला ने इस बात की जानकारी परिवार वालों को दी और परिजनों के साथ सिविल लाइन थाना में इसकी शिकायत दर्ज कराई है।

कबीरधाम में आग की लपटों में घिरा ट्रैक्टर सड़क पर दौड़ा

कवर्धा। कबीरधाम में उस वक्त अफरा तफरी का माहौल बन गया जब आग घिरा हुए एक ट्रैक्टर सड़क पर दौड़ता लोगों ने देखा।जब ट्रैक्टर में लगी आग की जानकारी ड्राइवर को हुई तो उसके कुछ भी समझ में नहीं आया।उसने बीच सड़क पर ही चलते हुए ट्रैक्टर से छलांग लगा दी।ये तो अच्छा रहा कि ट्रैक्टर कुछ दूर जाकर खुद ही रूक गया।जिससे कोई भी बड़ी अनहोनी नहीं हुई।क्योंकि जिस जगह पर ये ट्रैक्टर रूका वहां से थोड़ी ही दूरी पर लाइन से दुकानें थी।जिसके कारण बड़ी दुर्घटना घट सकती थी। घटना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के रायपुर-जबलपुर बायपास की है। जहां शुक्रवार सुबह 11 बजे एक पैरा लेकर जा रही ट्रेक्टर में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भीषण रुप ले लिया। ट्राली से धुंआ उठता देखकर चालक को कुछ भी समझ में नहीं आया।इसके बाद उसने गाड़ी का स्टेयरिंग छोड़कर कूदने में ही भलाई समझी। आग को बढ़ता देखकर ट्रैक्टर छोड़कर ड्राइवर गाड़ी से कूद गया। वहीं थोड़ी दूर सड़क पर जाकर ट्रैक्टर खुद रुक गया।

एनएमडीसी से पिग आयरन चोरी के मामले में 4 गिरफ्तार

जगदलपुर। बस्तर पुलिस ने नगरनार एनएमडीसी स्टील प्लांट में पिग आयरन चोरी करने के मामले में अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। शातिर आरोपी एक ही नंबर के ट्रकों में पिग आयरन लोड कर संयंत्र से बाहर ले जाने की तैयारी में थे। सीआईएसएफ के जवानों ने चोरी को नाकाम करते हुए चार ट्रकों को 35 टन पिग आयरन के साथ जब्त किया है। सीएसपी विकास कुमार ने बताया की मामले में लोडिंग प्वाइंट के साइट मैनेजर बृजेश कुमार आलम व जगतराम साथ ही पिग आयरन को ट्रकों में लोड करने वाले त्रिलोचन भाटाबोई और धोखाधड़ी में उपयोग हो रहे ट्रकों के मालिक अब्दुल हफीज को गिरफ्तार कर लिया गया है। सीएसपी ने बताया की घटना का खुलासा होने के दौरान ट्रकों के चालक मौके से भागने में कामयाब हो गए थे। चारों ट्रकों के चालकों को भी पता तलाश पुलिस के द्वारा की जा रही है। पुलिस अधिकारियों की माने तो गिरफ्तार आरोपियों ने धोखाधड़ी करने और चोरी का प्रयास करना स्वीकार कर लिया है।

बलरामपुर में ग्रामीण डाक विभाग के कर्मचारियों की हड़ताल जारी, सात सूत्रीय मांगों को लेकर अड़े कर्मचारी

बलरामपुर। रामानुजगंज में अखिल भारतीय ग्रामीण डाक सेवक संघ के बैनर तले कर्मचारियों की हड़ताल जारी है। नाराज कर्मचारियों का कहना है कि जबतक उनकी 7 सूत्री मांगें पूरी नहीं होगी तबतक वो काम पर नहीं लौटेंगे। कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने से पोस्ट ऑफिस का काम प्रभावित हो रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि उनसे चार घंटे कहकर 8 से लेकर 9 घंटे तक काम कराया जा रहा है। केंद्र सरकार को चाहिए कि वो ग्रामीण डाक सेवक संघ की मांगों को पूरा करे।

धरने पर बैठे कर्मचारियों की मांग है कि उनको आठ घंटे अगर काम लिया जा रहा है तो आठ घंटे का वेतन दिया जाए। पेंशन का लाभ भी उनको मिलना चाहिए। ग्रामीण डाक कर्मचारी जब यहां से रिटायर होता है तो उसे सिर्फ 1 लाख 50 हजार रुपए मिलते हैं। इतने कम पैसों में किसी का बुढ़ापा कैसे बीत सकता है। कर्मचारियों ने सरकार से कमलेश चंद्र कमेटी की सिफारिशों को भी पूरा करने की मांग की है। कर्मचारियों का कहना है कि अगर उनकी मांगें मान ली जाती हैं तो वो मन लगाकर काम करेंगे।

समान काम समान वेतन की मांग

हड़ताल पर बैठे कर्मचारियों का कहना है कि उनकी मांगों को सुना जाना तो दूर उनको टर्मिनेशनल लेटर जारी कर दिया गया है। उनसे कहा गया है कि वो 15 दिनों के भीतर काम पर लौटें नहीं तो कार्रवाई की जाएगी। कर्मचारियों का कहना है कि वो मेहनत स्थायी कर्मचारियों की तरह करते हैं लेकिन उनको वेतन आधा मिलता है। कर्मचारियों के आंदोलन के चलते डाक विभाग का काम भी प्रभावित हो रहा है। गांव तक डाक की डिलिवरी नहीं हो रही है। डाक विभाग में अपने काम से आने वाले ग्राहकों को भी काम नहीं होने से लौटना पड़ रहा है।

विधायक संपत अग्रवाल की अधिकारियों को नसीहत, कहा-

कमीशनखोरी और दलाली बर्दास्त नहीं, लोगों से भाईचारा बनाकर चलें अधिकारी-कर्मचारी

पिथौरा। महासमुंद जिले के बसना विधानसभा के नव निर्वाचित विधायक डॉ। संपत अग्रवाल के प्रथम नगर आगमन पर लोगों ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान संपत अग्रवाल कमीशनखोरी को लेकर बड़ी बात कही। साथ ही उन्होंने अधिकारी-कर्मचारियों को आम जनता से अच्छा व्यवहार बना कर चलने की चेतावनी भी दी।

प्रथम नगर आगमन पर लोगों ने नव निर्वाचित विधायक का जगह-जगह आतिशबाजी के साथ पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। वहीं अघरिया समाज के द्वारा लड्डू से तौल कर विधायक का स्वागत किया। कलार समाज ने विधायक संपत अग्रवाल का जोशीला स्वागत किया।

इस दौरान विधायक ने बस स्टैंड में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मेरे बसना विधानसभा के मतदाता ही मेरा परिवार है। मुझे जीत दिलाकर विधानसभा तक भेजे हैं इसके लिए मैं बसना विधानसभा के सभी मतदाताओं का आभारी हूं। आज से बसना विधानसभा में कमीशनखोरी नहीं होगी। अधिकारी-कर्मचारियों को भी सख्त हिदायत है कि लोगों से भाईचारा बनाकर चलें और उनका काम सहजता के साथ करें। नहीं तो कार्रवाई होगी, इसके लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज करेंगे शुभारंभ

देश भर के हितग्राहियों से करेंगे चर्चा, मुख्यमंत्री साय वर्चुअली कार्यक्रम में होंगे शामिल, छत्तीसगढ़ के 4 शहरी क्षेत्र एवं 70 ग्रामीण क्षेत्र सीधे वीडियो कांफ्रेंसिंग से होंगे कनेक्ट

रायपुर। केंद्र सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने एवं इनसे लाभ लेने वाले हितग्राहियों से संवाद करने के उद्देश्य से आरंभ की जा रही विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी शनिवार 16 दिसम्बर को दोपहर चार बजे करेंगे। प्रधानमंत्री वर्चुअल माध्यम से देश भर में यात्रा के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों से जुड़ेंगे और हितग्राहियों से चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय रायपुर से वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम के लिए जिलों से दोपहर 3 बजे कनेक्ट होंगे और यात्रा के संबंध में वर्चुअल संवाद करेंगे।

केन्द्र सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का काम आईईसी मोबाइल वैन के जरिए होगा। इसके जरिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का संदेश, योजनाओं की जानकारी और योजनाओं से संबंधित चलचित्र प्रदर्शित होंगे। इसके अलावा योजनाओं से संबंधित पाम्पलेट, बुकलेट आदि वितरित करने के साथ-साथ योजनाओं के लाभ लेने के लिए आवेदन, लाभ वितरण भी सुनिश्चित किया जाएगा। योजनाओं के संबंध में जागरूकता के लिए क्विज, सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। लाभार्थियों की

व्यक्तिगत सफलता की कहानियों और उपलब्धियों को साझा करने के लिए मेरी कहानी-मेरी जुबानी जैसे कार्यक्रम होंगे तथा धरती कहे पुकार के, स्वच्छता गीत आदि जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। साथ ही प्राकृतिक खेती, स्वाईल हेल्थ कार्ड के संबंध में जानकारी दी जाएगी।

स्वास्थ्य मेला और अन्य जरूरी सुविधाओं के लिए कैंप भी- विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत स्वास्थ्य मेला, उज्जवला योजना, आधार कार्ड अपडेटेशन आदि के स्टॉल होंगे। इसके साथ ही नागरिक उपयोगी अन्य सभी योजनाओं का लाभ दिलाने भी इन स्टाल में व्यवस्था होगी। विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में संचालित योजनाएं सम्मिलित होंगी। ग्रामीण क्षेत्र में क्रियान्वित आयुष्मान भारत, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, दीनदयाल अंत्योदय योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, पीएम आवास योजना, पीएम उज्जवला योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम किसान सम्मान योजना, क्रिसान क्रेडिट कार्ड, पीएम पोषण अभियान, हर घर जल-जल जीवन मिशन, स्वामित्व योजना, जन-धन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, नैनो उर्वरक का उपयोग, स्वाइल हैल्थ कार्ड, उन्नत कृषि यंत्र आदि से संबंधित गतिविधियां शामिल होंगी।

शहरी क्षेत्रों में पीएम स्वनिधि योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम उज्जवल योजना, पीएम मुद्रा लोन योजना, स्टार्ट-अप इंडिया, स्टेंड-अप इंडिया, आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना शहरी, वंदे भारत ट्रेनें और अमृत भारत स्टेशन योजना, स्वच्छ भारत अभियान, उजाला योजना, अमृत योजना, पीएम जन औषधि परियोजना, सौभाग्य योजना, डिजिटल भुगतान अधोसंरचना, आरसीएस योजना और खेलो इंडिया से संबंधित योजनाएं व गतिविधियाँ शामिल होंगी।

वेब पोर्टल से होगी मानिटरिंग

भारत सरकार और पीएमओ द्वारा इस यात्रा की मॉनीटरिंग वेब आधारित पोर्टल से की जाएगी। यात्रा से संबंधित सामग्री इस वेब पोर्टल में साझा की जाएगी। साथ ही हितग्राहियों को दिये जाने वाले लाभ की सूचना इस पोर्टल में होगी। शिविरों में आने वाले आवेदनों के संबंध में भी जानकारी इस पोर्टल में होगी।

छत्तीसगढ़ के शहरी क्षेत्रों में कार्यक्रम का आयोजन रायपुर, बिलासपुर, कोरबा और दुर्ग में होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न जिलों के 70 स्थलों का चयन कार्यक्रम के लिए किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में रायपुर जिले में 2, दुर्ग जिले में 8, महासमुंद जिले में 1, बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में 1, बिलासपुर जिले में 2, अंबिकापुर जिले में 5, जशपुर जिले में 5, सूरजपुर जिले में 5, मोहला-मानपुर जिले में 3, कोंडागांव जिले में 3, सुकमा जिले में 3, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-बैकुंठपुर जिला में 3, बस्तर जिले में 4, बीजापुर जिले में 4, जांजगीर जिले में 5, बलरामपुर जिले में 3, नारायणपुर जिले में 3, दंतेवाड़ा जिले में 4 तथा कोरिया जिले में 4 ग्रामीण क्षेत्रों के लोकेशन में यह कार्यक्रम होंगे।

आज दोपहर बूढातालाब से विकसित भारत संकल्प यात्रा कैम्पेन होगा प्रारंभ

रायपुर। विकसित भारत संकल्प यात्रा कैम्पेन शासन के निर्देषानुसार नगर निगम रायपुर के सभी जोनो के सभी वार्डो में कैम्पेन लगाया जाना है। इस संदर्भ में आवष्यक व्यवस्था हेतु प्रत्येक कैम्प के आयोजन के पूर्व प्रचार प्रचार एवं मुनादी जोन के स्तर पर करायी जानी है। चिन्हांकित पात्र पथ विक्रेताओ के ऑनलाईन नवीन आवेदन कैम्प में ही भरवाया जाना है। निर्धारित कैम्प में स्वीकृति एवं वितरण हेतु लंबित प्रकरण वाले हितग्राही को कैम्प में बुलाकर उपस्थित बैंको के माध्यम से ऋण वितरीत कराया जाना है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा कैम्पेन के तहत शासन के निर्देषानुसार पीएम स्वनिधि, पीएम विष्वकर्मा, पीएम उज्जवला, पीएम मुद्रा लोन, स्टार्टअप इंडिया, स्टेण्डअप इंडिया, आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना शहरी, स्वच्छ भारत अभियान शहरी, पीएम ई बस सेवा, काया कल्प और शहरी परिवर्तन के लिए अटल मिषन (अमृत), पीएम भारतीय जनऔषधी परियोजना, उजाला योजना, पीएम सौभाग्य योजना, डिजिटल भुगतान अवसंरचना, आरसीएस उडान, वंदे भारत टेऊन और अमृत भारत स्टेषन योजना, स्वामित्व योजना आवष्यकतानुसार की जानकारी नागरिको को कैम्पेन के माध्यम से दी जायेगी। विकसित भारत संकल्प यात्रा कैम्पेन का उद्देष्य वंचितो तक पहुंचना, उन वंचितों तक पहुंचा जा सके जो विभिन्न योजनाओ के तहत पात्र योग्य तो है लेकिन अभी तक उनको योजना का लाभ नहीं मिला है। केन्द्र सरकार की प्रमुख योजनाओं आयुष्मान भारत, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, दीनदयाल अंत्योदय योजना-एनआरएलएम, पीएम उज्जवला योजना, पीएम विष्वकर्मा, पीएम किसान सम्मान, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम पोषण अभियान, हर घर जल, जन धन योजना जैसी योजनाओं के

बारे में जानकारी का प्रसार कर जागरूकता पैदा करना । विभिन्न योजनाओं में वंचितो का नामांकन दर्ज करना ताकि योजनाओ के लिए योग्य है और अब तक इन योजनाओ का लाभ नहीं मिला है इन योजनाओ के लिए आवेदन देकर योजनाओ का लाभ उठाकर अपने जीवन में अपने परिवार को लाभान्वित कर सके। इस संदर्भ में आवष्यक व्यवस्था करने के संबंध में निर्देष दिये गये है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन 16 दिसम्बर को अपरान्ह स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड के स्वामी विवेकानंद सरोवर बूढातालाब से प्रारंभ होगा यह आयोजन कैम्पेन 5 जनवरी 2024 तक प्रतिदिन चलेगा एवं प्रतिदिन 2 वार्डो में नियत स्थानों पर विकसित भारत संकल्प यात्रा कैम्पेन का आयोजन किया जायेगा कुल 42 स्थलों पर वार्डो में कैम्पेन का आयोजन आमजनो की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए शासन के निर्देषानुसार अधिकाधिक लोगो को केन्द्र सरकार की प्रमुख लोककल्याणकारी योजनाओं से जानकारी लेकर प्रत्यक्ष लाभान्वित करने किया जायेगा।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को दी बधाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजस्थान के नवनियुक्त मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को बधाई और शुभकामनाएं दी है। साय ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान विकास की नई ऊंचाईयों को छुएगा। मुख्यमंत्री साय ने भजनलाल को उनके जन्मदिन और मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के अवसर पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए राजस्थान की जनता को नई सरकार चुनने के लिए बधाई दी है। बता दें कि शुक्रवार को राजस्थान के नवनियुक्त मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शपथ ली। उनके साथ में दोनों डिप्टी सीएम दीया कुमारी और डॉ। प्रेम चंद बैरवा ने भी शपथ ली। समारोह के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी, अमित शाह, जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्रिगण, राज्यों के मुख्यमंत्री समेत कार्यकर्ता और आमजन मौजूद रहे।

सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर सीएम विष्णुदेव साय ने दी श्रद्धांजलि

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने देश के पहले उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री भारतरत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया। 15 दिसंबर 1950 को लौह पुरुष का निधन मुंबई में हुआ था। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने सरदार पटेल को याद करते हुए कहा है कि सरदार पटेल अपने फौलादी संकल्पों के कारण लौह पुरुष के नाम से जाने जाते हैं। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देसी रियासतों का भारतीय संघ में विलय कर देश के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वतंत्रता के लिए किये संघर्ष के दौरान उन्होंने कई आंदोलनों का कुशल नेतृत्व किया। साय ने कहा कि ना सिर्फ आजादी की लड़ाई बल्कि स्वतंत्रता मिलने के बाद भी सरदार पटेल भारत को एक सूत्र में पिरोने की दिशा में काम करते रहे। भारत देश के निर्माण में सरदार पटेल की भूमिका हमेशा अविस्मरणीय रहेगी।भारत के लौह पुरुष 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के खेड़ा में हुआ था। 6 भाई बहनों में 4 नंबर के थे सरदार। समय पर पढ़ाई शुरू नहीं होने के कारण 21 साल की उम्र में मेट्रिक की परीक्षा पास की। आगे की पढ़ाई खुद के खर्चे पर किया और इंग्लैंड जाकर लॉ की पढ़ाई की और बैरिस्टर बने।

डिप्टी सीएम के गृह जिले में अवैध मून बार सील, आबकारी विभाग की छापेमारी

कवर्धा। कवर्धा के विधायक विजय शर्मा के डिप्टी सीएम बनते ही अब कवर्धा में अवैध कारोबार पर एक्शन शुरू हो गया। अवैध रूप से संचालित बार को आबकारी विभाग ने सील कर दिया है। शहर के जगदंबा होटल में बार संचालित हो रहा था। इस कार्रवाई से हड़कंप मच गया है।

राज्यपाल हरिचंदन मिले उपराष्ट्रपति धनखड़ से

रायपुर। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने शुक्रवार को उपराष्ट्रपति निवास में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की। बता दें कि राज्यपाल बिस्वा भूषण हरिचंदन 14 दिसंबर से दिल्ली प्रवास पर है। गुरुवार को वे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिले थे। बता दें कि राज्यपाल हरिचंदन 17 दिसंबर को रायपुर लौट आएंगे।

राष्ट्रपति ने मुख्यमंत्री बनने पर साय को दी बधाई और शुभकामनाएं

रायपुर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को मुख्यमंत्री बनने पर बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि श्री साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ प्रदेश उन्नति के नए शिखर को प्राप्त करेगा।

सरकार के गठन के बाद अब विधानसभा सत्र की तैयारी,19 से शुरू होगा शीतकालीन सत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार के गठन के बाद अब विधानसभा के पहले सत्र की तैयारी शुरू हो गई है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि 19, 20 और 21 दिसंबर को विधानसभा का शीतकालीन सत्र होगा।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि कैबिनेट की बैठक में (विधानसभा सत्र) विषय लाया गया था। प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति के बाद शपथ की प्रक्रिया होगी। सत्र में प्रोटेम स्पीकर का शपथ के साथ राज्यपाल का अभिभाषण होगा। सत्र में अनुपूरक बजट भी लाया जायगा। नक्सल वारदात पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री इस विषय पर बहुत गंभीर हैं। इसके साथ ही उन्होंने नक्सलियों से कोई बातचीत नहीं करने का बीत कहते हुए नक्सलियों पर एक्शन लेने की जरूरत बताई।

कांग्रेस के पूर्व विधायकों के दिल्ली जाने पर विजय शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के नेता एक-दूसरे पर जो आरोप लगाते थे, वह सही थे। कांग्रेस को सरकार मिली तो सुख पाने और धन संचय करने का साधन बना लिया। राजनीति शक्ति की आराधना है। शक्ति प्राप्त करके समाज में परिवर्तन लाया जा सकता है। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। चौक-चौराहे में भी पैसे की उगाही की गई। ये संस्कृति नीचे तक चली गई।

शीतकालीन सत्र में अनुपूरक बजट लाने की तैयारी में साय सरकार

छत्तीसगढ़ विधानसभा शीतकालीन सत्र 19 दिसंबर से शुरू होगा। यह सत्र 21

दिसंबर तक चलेगा। इस सत्र में विष्णुदेव साय सरकार अनुपूरक बजट ला सकती है। छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने बताया कि गुरुवार को सीएम विष्णुदेव साय ने कैबिनेट बैठक में यह मुद्दा रखा कि 19,20 और 21 दिसंबर को विधानसभा का सत्र रखा जाए, जिसमें प्रोटेम स्पीकर और दूसरे मंत्रियों का शपथ ग्रहण होगा।

छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीतकालीन सत्र में अनुपूरक बजट पेश किया जा सकता है। डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि 18 लाख प्रधानमंत्री आवास देने के लिए बड़ी रकम चाहिए। जिसे पूरा करने के लिए अनुपूरक बजट लाना होगा। इसके साथ ही कुछ और घोषणाओं को पूरा करने के लिए भी सत्र में अनुपूरक बजट लाया जाएगा।

कांग्रेस की हार के बाद बयानबाजी और पैसे लेकर टिकट देना के आरोप पर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने चुटकी ली। उन्होंने कहा कि आरोप लगाने वाले सभी सच बोल रहे हैं। इस पर उनका मंथन करना पड़ेगा। शर्मा ने कहा कि 2018 में सत्ता में आने पर कांग्रेस सरकार ने इसे उगाही का जरिया बनाया। जो निम्न स्तर तक फैला। राजनीति शक्ति की आराधना है। शक्ति मिलने के बाद जनता की सेवा करने के बारे में सोचना चाहिए लेकिन कांग्रेस ने सत्ता मिलने के बाद सिर्फ अपनी जेबें भरने का काम किया।

छत्तीसगढ़ में अधिकारियों के फेरबदल पर डिप्टी सीएम ने कहा अधिकारियों से किसी तरह का रागद्वेश नहीं है। जो परफॉर्म करेंगे वो आगे रहेंगे। जो नहीं करेंगे उन्हें बदला जाएगा।

पूर्व विधायक राय ने मुख्यमंत्री से प्रशिक्षु आईपीएस की शिकायत की

रायपुर। पूर्व जेसीसीजे विद्यायक आरके रॉय ने प्रशिक्षु आईपीएस मयंक गुर्जर की मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से लिखित शिकायत करते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है। पूर्व विधायक का आरोप है कि प्रशिक्षु आईपीएस ने शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने से रोकने के साथ डंडे से पिटाई की।

गुंडरदेही विधानसभा से जेसीसीजे के पूर्व विधायक राजेंद्र कुमार राय ने गुरुवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से पहुना स्थित आवास में मिलकर प्रशिक्षु आईपीएस की शिकायत की। राय ने बताया कि साइंस कालेज मैदान में आयोजित भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में वे दोपहर तीन बजे बाकायदा पास लेकर पहुंचे थे। उनके साथ पूर्व विधायक बालमुकुंद देवांगन, सेवानिवृत्त जिला जज रघुवीर सिंह, सूर्यकांत तिवारी समेत क्षेत्र के भाजपा नेता गए थे।

वीवीआइपी गेट सेक्टर में तैनात आइपीएस मयंक गुर्जर ने सभी पासधारी उन्हें रोकते हुए विवाद करना शुरू कर दिया। पास दिखाने पर कहा कि आप लोगों का गेट पास फर्जी हैं। किसी को भीतर नहीं जाने देंगे। इस दौरान गुर्जर ने कुछ महिला कार्यकर्ताओं के साथ भी अभद्रता भी की। वहीं आईपीएस मयंक गुर्जर ने पूर्व विधायक से किसी तरह की मारपीट से साफ इंकार किया है।

बता दें कि राजेंद्र राय को हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में करारी हार मिली थी। जेसीसीजे ने उन्हें गुंडरदेही विधानसभा से चुनाव मैदान पर उतारा था, जहां उन्हें सिर्फ 1335 वोट मिले थे।

बागेश्वर धाम सरकार का दिव्य दरबार जल्द लगेगा रायपुर में

रायपुर। विश्व विख्यात संत शिरोमणि पंडित श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री (बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर) एक बार फिर राजधानी रायपुर आ रहे है। इस दौरान श्री शास्त्री भगवान श्री हनुमान की जीवनी पर हनुमन्त पर कथा करेंगे और दिव्य दरबार भी लगेगा।

आयोजन की तैयारियों को 17 दिसंबर, रविवार को हनुमान मंदिर ब्यारा, गुढियारी में एक बैठक आयोजित की गई है जिसमें प्रभारी एवं मुख्य कार्यकर्ताओं का चयन किया जाएगा।

जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार हिंदुओ के धर्म ध्वजा वाहक विश्व विख्यात संत शिरोमणि पंडित श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री (बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर) के मुखारविंद से एक बार फिर रायपुर की जनता के साथ पूरे छत्तीसगढ़ के लोगों को भगवान श्री हनुमान जी की जीवनी सुनने को मिलेगी साथ ही दिव्य दरबार का भी आयोजन होने जा रहा है, जिसमे कार्य समिति गठित करने के लिए वृहद बैठक 17 दिसंबर 2023, रविवार को रखी गयी है। इस दौरान प्रभारी एवं मुख्य कार्यकर्ताओं का चयन किया जाना है एवं महत्वपूर्ण विभागों की जवाबदारी सुनिश्चित की जाएगी, साथ ही कार्यक्रम की रूपरेखा तय की जाएगी। बैठक सुबह 11 बजे हनुमान मंदिर ब्यारा, गुढियारी में आयोजित की गई है।

सिंहदेव पर बरसे बृहस्पति सिंह

कांग्रेस की सभा में पीएम मोदी की तारीफ करना सिर्फ 12 वादे पूरा करने के बयान से मिली हार

रायपुर। कांग्रेस से 6 साल के निष्काषन के बाद पूर्व एमएलए बृहस्पति सिंह हाई कमान से अपना दर्द बयां करने दिल्ली पहुंचे हैं। बृहस्पति सिंह कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे से मुलाकात करेंगे और छत्तीसगढ़ कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की शिकायत भी करेंगे।

दिल्ली रवाना होने से पहले रायपुर में बृहस्पति सिंह ने कहा जिन लोगों ने कांग्रेस को लगातार धोखा दिया। जिन लोगों ने कांग्रेस के खिलाफ बयान दिया। कांग्रेस की सरकार को चुनौती दी। कांग्रेस हाई कमान को चुनौती दी। जिससे कांग्रेस को नुकसान हुआ और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की बनती हुई सरकार की हार हुई। उसके बारे में कहने पर अगर पार्टी निष्कासित करती है तो ये अच्छी बात नहीं है। छत्तीसगढ़ के कांग्रेस के 22 एक्स एमएलए दिल्ली जा रहे हैं जहां कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलेंगे।

बृहस्पति सिंह ने छत्तीसगढ़ के पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव और छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी कुमारी शैलजा पर एक बार फिर हमला बोला। सिंह ने कहा पूर्व डिप्टी सीएम

ने कांग्रेस के खिलाफ लगातार बयान दिया। जिसका नुकसान कांग्रेस को उठाना पड़ा। प्रधानमंत्री आवास योजना का पैसा छत्तीसगढ़ की जनता को नहीं देने का आरोप लगाया। 36 में से 12 वादें पूरा करना की बात करना। इसके साथ ही कांग्रेस की सभा में प्रधानमंत्री की तारीफ करना, कांग्रेस से ज्यादा अच्छा काम करने की बात कहना। 22 सिटिंग एमएलए और विनर कैंडिडेट का टिकट काटना।।ये सब बाते हैं जिसका नुकसान कांग्रेस को उठाना पड़ा है। बृहस्पति सिंह ने फिलहाल अपने आगे की रणनीति का खुलासा नहीं किया।

विष्णुदेव साय सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में जनता के साथ किया बड़ा धोखा

रायपुर। विष्णुदेव साय सरकार ने गुरुवार को पहली कैबिनेट बैठक की। छत्तीसगढ़ की नई सरकार की पहली कैबिनेट मीटिंग में 18 लाख पीएम आवास को मंजूरी दी गई। बैठक के बाद साय और दोनों डिप्टी सीएम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी घोषणा मीडिया के सामने की। इस घोषणा के बाद एक तरफ भाजपा जहां अपनी पीठ थपथपा रही है वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस साय सरकार पर छत्तीसगढ़ की जनता के साथ धोखा करने का आरोप लगा रही है।

कांग्रेस का कहना है कि भाजपा ने जो वादे चुनाव के पहले किए थे, उन वादों को लेकर इस बैठक में कोई चर्चा नहीं की गई। कांग्रेस का सीधा आरोप है कि भाजपा सरकार ने अपने पहले कैबिनेट की बैठक में अलोकप्रिय निर्णय लेकर प्रदेश की जनता को निराश किया है।

कांग्रेस मीडिया विभाग के प्रदेश अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 1 नवंबर से धान खरीदी चल रही है।

भारतीय जनता पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में वादा किया था कि सरकार बनते ही 21 क्विंटल प्रति एकड़ 3100 रू। में धान खरीदी की जाएगी। इसका भुगतान भी एकमुश्त ऑन द स्पॉट किया जाएगा लेकिन भाजपा की पहली कैबिनेट की बैठक में इस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया।

सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान कई जगहों पर 2 लाख तक का हर किसान का कर्ज माफ करने का ऐलान किया था, लेकिन आज की कैबिनेट की बैठक में इस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया बल्कि जो किसान धान बेच रहे हैं उनके कर्ज का पैसा काटा जा रहा है। इतना ही नहीं चुनाव के पहले भाजपा ने 75 लाख से ज्यादा माता बहनों से महतारी वंदन योजना का फॉर्म भरवारा था और वादा किया था कि सरकार बनते हैं 1000 प्रति माह देंगे लेकिन भाजपा सरकार की पहली कैबिनेट की बैठक में इस पर भी कोई निर्णय नहीं लिया गया।

सुशील आनंद शुक्ला का आरोप है कि भाजपा ने चुनाव के दौरान जो वादे किए थे वह सत्ता पर काबिज होने के बाद पूरे नहीं कर रही है। भाजपा ने अपने पहले ही कैबिनेट में अलोकप्रिय निर्णय लेकर प्रदेश की जनता को निराश किया है।

नए मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं कर पर रही भाजपा 5 साल तक नहीं चल पाएगी सरकार : सुशील आनंद

रायपुर। कांग्रेस के पूर्व विधायकों के दिल्ली दौरे पर कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने बयान दिया है। साथ ही भाजपा सरकार की पहली कैबिनेट की बैठक को लेकर बीजेपी पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि, पार्टी में सभी की सुनवाई होती है। बृहस्पत सिंह को अवसर दिया गया था, उनकी बात सुनी गई, फिर कार्रवाई की गई। हाईकमान के पास अपनी बात रखने का अधिकार सबको है।

भाजपा मंत्रिमंडल में अब तक विस्तार नहीं हुआ है, इस मामले में सुशील आनंद ने कहा, पूर्ण बहुत के बाद भी भाजपा मुख्यमंत्री का नाम तय नहीं कर पा रही थी। नए मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं हो पा रहा है। वरिष्ठ नेताओं की उपेक्षा की गई, मुझे नहीं लगता सरकार 5 साल तक चल पाएगी।

कैबिनेट की बैठक में धान खरीदी के मूल्य पर कोई निर्णय नहीं लेने पर सुशील शुक्ला ने कहा कि, अपने घोषणा पत्र में भाजपा ने 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की बात कही थी। दिसंबर से ही माताओं-बहनों को 1 हजार रुपए प्रतिमाह देने की बात कही गई थी। कैबिनेट की पहली बैठक में इनमें से किसी भी मुद्दे पर चर्चा नहीं की गई। सरकार बनने के 24 घंटे बाद ही भाजपा ने वादाखिलाफी शुरू कर दी।

नेता प्रतिपक्ष के नाम को लेकर सुशील आनंद ने कहा, हाल ही में विधायक दल की बैठक हुई। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को चयन का अधिकार है। जल्द ही इस पर निर्णय लिया जाएगा।

आदिवासी, ओबीसी, ब्राह्मण एक तीर से कई निशाने

अभिनय आकाश

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस सप्ताह मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्रियों के रूप में तीन नए चेहरों को पेश करके एक पीढ़ीगत बदलाव के संकेत दिए हैं। इसके साथ ही 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले अपनी मुख्य राजनीतिक रणनीति के हिस्से के रूप में जाति संबंधी एजेंडे को भी सावधानीपूर्वक साधा है। पार्टी ने उन तीनों प्रमुख राज्यों में नए चेहरों को चुना, जहां उसने इस साल की शुरुआत में प्रभावशाली जीत हासिल की थी, लेकिन उपमुख्यमंत्रियों की नियुक्ति करके प्रमुख जाति समूहों को पूरा करने में सावधानी बरती गई। विश्लेषकों ने बीजेपी के इस कदम का आंकलन करते हुए बताया है कि इससे पार्टी को सभी जातियों में इंद्रधनुषी हिंदू गठबंधन को बनाए रखने में मदद मिल सकती है, जिसे उसने 2019 में अपने दूसरे कार्यकाल के लिए बनाया था। इस सप्ताह जैसे ही मुख्यमंत्री-उपमुख्यमंत्री के रूप में नए चेहरे सामने आए सोशल इंजीनियरिंग रणनीति का खुलासा भी हो गया। बीजेपी की रणनीति में आदिवासियों, पिछड़ों, ऊंची जातियों और दलितों तक पहुंचने का प्रयास किया गया। यह वह क्षेत्र है जहां पार्टी 2019 में पहले से ही मजबूत थी, जिसने तीन प्रांतों की 65 में से 62 सीटें जीती थीं। लेकिन नए सिरे से किए गए दबाव से पार्टी को हृदय क्षेत्र से परे मदद मिल सकती है और अगली गर्मियों के आम चुनावों में इन समुदायों में इसका समर्थन आधार गहरा हो सकता है। छत्तीसगढ़ एक ऐसा राज्य जहां कांग्रेस ने पांच साल पहले मिले भारी जनादेश को खो दिया। पार्टी ने एक वरिष्ठ आदिवासी नेता विष्णु देव साय को मुख्यमंत्री पद के लिए चुना। जनजातियों ने बड़ी संख्या में पार्टी का समर्थन किया था। अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित 29 सीटों में से भाजपा ने 17 सीटें जीतीं, जो 2018 में जीती गई तीन सीटों से अधिक है। राज्य की आबादी में आदिवासियों की संख्या लगभग एक तिहाई है, और साई कंवर जनजाति से हैं। यह गोंडों के बाद दूसरा सबसे बड़ा समूह है। कांग्रेस द्वारा ओबीसी कथा को आगे बढ़ाने के बाद, भाजपा यह सुनिश्चित करना चाहती है कि आदिवासियों को पता चले कि वह एक ऐसी पार्टी है जो लोकसभा चुनावों और झारखंड जैसे अन्य राज्य चुनावों को ध्यान में रखते हुए उनका प्रतिनिधित्व करती है। भारत के राष्ट्रपति के रूप में द्रौपदी मुर्मू के नामांकन के बाद यह दूसरी सबसे बड़ी नियुक्ति है। लोकसभा में अनुसूचित जनजातियों के लिए 47 सीटें आरक्षित हैं, एक समुदाय जिसे पार्टी ने पिछले साल आक्रामक रूप से लुभाया है, ठीक उसी तरह जैसे उसने 2019 के चुनावों से पहले दलितों को लुभाया था। मध्य प्रदेश के लिए पार्टी की पसंद में जातिगत रूपरेखा समान रूप से दिखाई दे रही थी। हालाँकि इसने चार बार के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को बदलने का फैसला किया, लेकिन भाजपा ने उनके प्रतिस्थापन के रूप में एक अन्य प्रमुख ओबीसी नेता मोहन यादव को चुना। इसके अलावा, यादव समुदाय (जो उत्तर प्रदेश और बिहार में प्रभावी है लेकिन मध्य प्रदेश में उतना प्रभावी नहीं है) से एक उम्मीदवार को चुनकर, भाजपा ने पड़ोसी राज्यों में समुदाय में पैठ बनाने के लिए दरवाजे खोल दिए। डिप्टी सीएम की इसकी पसंद -दलित चेहरा और वरिष्ठ मंत्री जगदीश देवड़ा और ब्राह्मण चेहरा और निवर्तमान जनसंपर्क मंत्री राजेंद्र शुक्ला ने दिखाया कि पार्टी अपने अन्य प्रमुख घटकों के बारे में भी समान रूप से जागरूक थी।

ताजपोशी के साथ भाजपा की परीक्षा

अनिल पुरोहित

भारतीय जनता पार्टी पाँच वर्षों के अपने वनवास से उबरकर नए संकल्पों के पथ पर ऊर्जा और विश्वास के नए आलोक में अपनी महत्वपूर्ण यात्रा प्रारंभ करने जा रही है। संकल्पों का यह पथ चुनौतियों के कंटकों से भरा हुआ है और भाजपा के कर्णधारों को इन चुनौतियों को पार कर विश्वास के धरातल को अपने निर्णयों, नीतियों और कार्य-संस्कृति से सतत अभिसिंचित करना है, संगठन के स्तर पर भी और सत्ता के स्तर पर भी! सत्ता के गलियारे में चहलकदमी करते वक़्त भाजपा को यह बात हमेशा ध्यान रखनी होगी कि यह माया महाठगिनी होती है। वह सत्ताधीशों को अपनी चकाचौंध में वह सबकुछ देखने ही नहीं देती, जो वास्तव में उसे देखना चाहिए और जिस काम के लिए सत्ता उन्हें साधन के तौर पर मिली है। यह अप्रत्याशित क़तई नहीं है कि भाजपा ने चुनावी मैदान मार लिया है, क्योंकि अपनी पराजय की पटकथा तो कांग्रेस के सत्ताधीशों ने सत्ता सम्हालते ही खुद अपने हाथों लिखनी शुरू कर दी थी और जिस भाजपा को तमाम राजनीतिक विश्लेषक और कांग्रेस के लोग सत्ता की दौड़ से बाहर मानकर चल रहे थे, वे मतदान के पहले चरण के क़रीब आते-आते भाजपा को कांग्रेस के मुक़ाबिल मानने लगे, हालाँकि भाजपा की जीत हो रही है, यह बात मानने और भाजपा की जीत पचाने के लिए मतगणना के पहले तक मतगणना के शुरुआती रूझानों के बाद भी वे तैयार नहीं दिखाई दे रहे थे। पर जनादेश भाजपा के पक्ष में आना था, सो आ गया। अब शपथ ग्रहण के महोत्सव के साथ भाजपा की असली परीक्षा शुरू हो रही है। विजयोल्लास के पथ पर चुनौतियों के नुकीले कंटकों पर चलते हुए उन स्वप्नों को साकार करना है, जिसे पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटलजी ने संजोया था, उन संकल्पों की कसौटी पर खरा उतरना है, जिसे बार-बार दुहराकर भाजपा ने यह विश्वासपूर्ण जनादेश अर्जित किया है।

यह माना जाना चाहिए कि हिन्दुत्व, विकास, सेवा, सुशासन और ग़रीब कल्याण के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे तथा मोदी की गारंटी ने भाजपा की जीत की राह को आसान बनाया है, पर उससे भी कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण बात यह ध्यान में रखी जानी चाहिए कि कर्ज़माफ़ी, मुफ़्त बिजली, मुफ़्त शिक्षा जैसे नितांत

निजी फ़ायदों को अपनी ठोकर पर रखकर प्रदेश की जनता-जनार्दन ने भाजपा के वादों और घोषणाओं पर इतना अधिक विश्वास जताया कि अब तक के हुए पाँच चुनावों में भाजपा को न केवल अधिक सीटें मिली हैं, अपितु वोटों के प्रतिशत में भाजपा को एक नया रिकॉर्ड बनाने का मौक़ा दे दिया। पर जीत और सरकार में आने की इस बेला में आत्ममुग्ध होने के बजाय भाजपा के लिए भी आत्म मंथन की उतनी ही ज़रूरत है, जितनी आज कांग्रेस को है। परंतु, कांग्रेस पराजय के सबक और संदेश को कब समझ पाई है? सत्ता प्रबंधन की इतनी ही राजनीतिक समझ कांग्रेस में होती तो 71 सीटों से महज़ पाँच सालों में 35 सीटों पर नहीं सिमटती। इस सच्चाई को पूरी शिद्दत से स्वीकार करना चाहिए कि प्रधानमंत्री आवास की मांग को लेकर विधानसभा के समक्ष हुए प्रदर्शन के साथ ही भाजपा ने अपने धारदार तेवर दिखाए और उसके बाद लगातार चले अभियानों व कार्यक्रमों ने भाजपा की भूमिका को प्रभावी बनाया। राजधानी के साइंस कॉलेज मैदान पर इस वर्ष के मध्य में हुई प्रधानमंत्री श्री मोदी की सभा ने भाजपा को राजनीतिक संजीवनी दे दी। आज धान की क़ीमत, ख़रीदे जाने वाले धान की मात्रा, दो साल का बकाया बोनस, महतारी वंदन योजना, युवाओं के लिए संभावनाओं का आकाश तलाशने की प्रतिबद्धता, जबरिया धर्मांतरण पर रोक लगाकर आदिवासी संस्कृति व परंपराओं की रक्षा और तुष्टीकरण की रक्त-पिपासु राजनीतिक प्रवृत्ति को नेस्त-ओ-नाबूद करने का प्रण, इनमें से भाजपा की जीत का श्रेय राजनीतिक विश्लेषक चाहे जिसे दें, पर इन चुनावों में इस सत्य को नकारा नहीं जा सकता कि पहली बार एक दल के नाम पर चुनाव हुए हैं और इसमें व्यक्ति गौण हो गया था। प्रधानमंत्री श्री मोदी इस विजय रथ के सारथी बने और इसीलिए कांग्रेस भूपेश है तो भरोसा है से लेकर भरोसे की सरकार के जुमले उछालने के लिए विवश हुई जबकि बिना कोई चेहरा सामने किए भाजपा सत्ता-सिंहासन पर विराजमान है। निश्चित रूप से भाजपा के लिए यह गर्व का क्षण है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह व अन्य अनेक प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों व साधु-संतों की मौजूदगी में प्रदेश के हज़ारों-हज़ार कार्यकर्ताओं के बीच प्रदेश के नवनियुक्त मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगियों के साथ शपथ ली है। अब इस विचार पर भी विमर्श की शुरुआत होनी चाहिए कि मंत्रिमंडल के परंपरागत ढाँचे को कोई नया आकार दिया जाए जिसमें शामिल हर एक मंत्री समूचे प्रदेश के स्तर पर अपने विभाग की कार्यप्रणाली की न केवल समझ से भरपूर हो, अपितु अपनी विभागीय योजनाओं व कार्यक्रमों से प्रदेश के हर एक परिवार को लाभ पहुँचा सके। जाहिर है, ऐसे मंत्रिमंडल में किसी अपराधी या भ्रष्ट प्रवृत्ति को ज़गह नहीं मिलनी चाहिए, अन्यथा ऐसे लोग सेवा-सुशासन और ग़रीब कल्याण के संकल्पों को कर्क-रोग की तरह भीतर से खोखला ही करेंगे, अपराधों को प्रश्रय देंगे, सरकार के कमाऊ पूत बनकर मनमानी करेंगे, सर्वतोमुखी विकास की अवधारणा को पलीता ही लगाएंगे। यह भी नहीं भुलाया जा सकता कि इस नई सरकार को कर्ज़ के दलदल को भी पार करना है और विकास के तमाम तक़ादों को पूरा भी करना है। 15 वर्षों के भाजपा के पूर्ववर्ती शासनकाल में जिन राजनीतिक दोषों से जनता नाराज़ हो चली थी, अब भाजपा के सत्ताधीश छाछ को भी फूँक-फूँककर पीएंगे, जनता-जनार्दन की यह उम्मीद बेमानी नहीं है। भाजपा को अब अपने संगठन के स्तर पर भी पर्याप्त ध्यान देने की ज़रूरत महसूस होनी चाहिए। कार्यकर्ताओं को देवतुल्य बोल-बोलकर सिर्फ चुनाव तक ही उनके समर्पण, परिश्रम, पुरुषार्थ और पराक्रम को कसीदे पढ़े जाते हैं, लेकिन चुनाव निपटने के बाद उन कार्यकर्ताओं की पूछ-परख तक नहीं होती। उनका आत्मसम्मान सत्ता के गलियारों में कराहता न मिले, उनकी अपेक्षाएँ सत्तावादी अहंकार के बोझ तले दम न तोड़ें, अब इस बात का संगठन के स्तर पर ध्यान रखा जाना चाहिए। चापलूसों-चाटुकारों की काकस मंडली सत्ता के अनुचित लाभ लेने के लिए घेरेबंदी करने में निपुण होती है, ऐसे किसी भी घेरे में कैद होकर पार्टी कार्यकर्ताओं की अनदेखी अब नहीं होनी चाहिए। ऐसी गिरोहबंदी, घेरेबंदी ने ही पिछले चुनाव में कार्यकर्ताओं को अपनी ही पार्टी से इतना दूर छिटका दिया था कि प्रदेश में 15 वर्षों की सरकार महज़ 15 सीटों पर आ गई थी! भाजपा की इस विजय के सूत्रधार प्रधानमंत्री श्री मोदी हैं तो इस सूत्र से कार्यकर्ताओं को बांधने का काम केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह, प्रदेश चुनाव सह प्रभारी व केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, प्रदेश भाजपा प्रभारी ओम माथुर, सह प्रभारी नितिन नवीन ने किया। संगठन सूत्र में कार्यकर्ताओं को पिरोने में लगा भाजपा केंद्रीय नेतृत्व कार्यकर्ताओं को यह समझाने में सफल रहा कि सार्वजनिक और राजनीतिक जीवन में कार्यकर्ता के नाते उनकी पूछ-परख तभी है, जब पार्टी सत्ता में रहे। यह बात कार्यकर्ता समझ गए और नतीजा सामने है। दरअसल कार्यकर्ता भी सत्ता के होने का महत्व समझ गए थे। सत्ता खोने का जो अहसास पाँच साल के कांग्रेस शासनकाल में भाजपा के कार्यकर्ताओं ने भोगा है, उसका एक असर यह भी देखने को मिला कि इस बार कार्यकर्ता स्व-स्फूर्त पार्टी को जिताने में संकल्पपूर्वक जुटे। यह केंद्रीय नेतृत्व के प्रयासों का सुपरिणाम रहा। पर अब भाजपा का प्रदेश और केंद्रीय नेतृत्व इस बात पर संज़ीदगी दिखाए कि सत्ता की चौखट के पार सरकार और भाजपा के सभी जनप्रतिनिधि अपने समर्पित कार्यकर्ताओं और चापलूसों-चाटुकारों में भेद करने की समझ का परिचय दें, अन्यथा राममनोहर लोहिया तो कह ही गए हैं कि ज़िंदा क़ौमें पाँच साल इंतज़ार नहीं किया करतीं। इसी तरह भाजपा के कार्यकर्ताओं को भी अपनी समझ विकसित करनी होगी। राजनीति में व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा जागना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, परंतु जन-आकांक्षा और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा के महीन अंतर की मर्यादा का ध्यान आज भाजपा के कार्यकर्ताओं को इसलिए ज़्यादा रखना होगा क्योंकि अब वे उस स्थिति में हैं जहाँ आकांक्षाओं में संतुलन स्थापित कर अपने राजनीतिक आचरण की मर्यादा की मिसाल प्रस्तुत करें। सत्ता अपने साथ कुछ दोष सहज साथ लेकर आती है जिनमें एक दर्प है। दर्प के दर्पण में सुशासन का प्रतिबिम्ब दरक जाता है, यह बात सबको ध्यान में रखनी होगी।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

योगचूडामण्युपनिषद् (भाग-13)

गतांक से आगे...

जिन नव द्वारों से वायु का गमनागमन होता है, उनका निरोध करके वायु को रोके और अपान को अग्नि से मिलाकर ऊर्ध्वगामी बनाकर शक्तिचालिनी मुद्रा द्वारा कुण्डलिनी मार्ग से दृढ़तापूर्वक ऊपर मस्तिष्क में आत्मा के ध्यान के साथ स्थापित करे। जब तक यह स्थिर रहे, तब तक वह (अन्य) महापुरुष की संगति नहीं चाहता अर्थात् वह स्वयं सर्वश्रेष्ठ हो जाता है।

जिस साधना के द्वारा नाड़ी समूह का शोधन किया जाता है तथा सूर्य-चन्द्र को चलाया जाता है एवं रस का शोषण किया जाता है, उसे महामुद्रा कहते हैं। बायें पैर से योनि स्थान पर दबाव डालते हुए, ठोढ़ी को छाती से लगाये और दायाँ पैर सीधा फैलाकर दोनों हाथों से पैर की अंगुलियों सहित पैर पकड़कर दोनों कुक्षियों अर्थात् पेट में पूरा श्वास भरकर धीरे-धीरे बाहर निकाले। यह महामुद्रा की क्रिया समस्त प्रकार की व्याधियों को नष्ट करती है। अभ्यासक्रम में सर्वप्रथम बायीं नासिका चन्द्रअंश से श्वास खींचकर रेचन करते हुए अभ्यास करे, फिर दायीं नासिका सूर्यअंश से श्वास खींचकर रेचन का अभ्यास करना चाहिए। जब दोनों स्वर (चन्द्र-सूर्य) समान हो जाएँ, तब अभ्यास बन्द करना चाहिए। इस महामुद्रा के करने से पथ्य-अपथ्य अथवा सभी तरह का नीरस भोजन सरस हो जाता है। भोजन अधिक कर लेने पर तथा विष भी खा लेने पर वह अमृत के समान पच जाता है। इस महामुद्रा के अभ्यास करने वाले साधक को इसके प्रभाव से क्षय कुष्ठ, गुदावर्त (भगन्दर), गुल्म (तिल्ली बढ़ना), अजीर्ण आदि एवं भविष्य में होने वाले सभी रोगों से छुटकारा मिल जाता है। यह महामुद्रा साधकों को महासिद्धि देने वाली है, इसको हर किसी को (अनधिकारी को) नहीं बताना चाहिए, प्रयत्नपूर्वक गुप्त रखना चाहिए।

क्रमशः ...

विजय दिवस

विजय दिवस 16 दिसम्बर को 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत के कारण मनाया जाता है। इस युद्ध के अंत के बाद 93,000 पाकिस्तानी सेना ने आत्मसमर्पण कर दिया था। साल 1971 के युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को करारी परास्त किया, जिसके बाद पूर्वी पाकिस्तान स्वतंत्र हो गया, जो आज बांग्लादेश के नाम से जाना जाता है। यह युद्ध भारत के लिए ऐतिहासिक और हर देशवासी के हृदय में उमंग पैदा करने वाला साबित हुआ।

देश भर में 16 दिसम्बर को विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। वर्ष 1971 के युद्ध में करीब 3,900 भारतीय सैनिक वीरगति को प्राप्त हो गए थे, जबकि 9,851 घायल हो गए थे। पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी बलों के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एएके नियाजी

ने भारत के पूर्वी सैन्य कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था, जिसके बाद 17 दिसंबर को 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों को युद्धबंदी बनाया गया।

युद्ध की पृष्ठभूमि साल 1971 की शुरुआत से ही बनने लगी थी। पाकिस्तान के सैनिक तानाशाह याहिया ख़ां ने 25 मार्च 1971 को पूर्वी पाकिस्तान की जन भावनाओं को सैनिक ताकत से कुचलने का आदेश दे दिया। इसके बाद शेख़ मुजीब को गिरफ़्तार कर लिया गया। तब वहां से कई शरणार्थी लगातार भारत आने लगे।

जब भारत में पाकिस्तानी सेना के दुर्व्यवहार की खबरें आईं, तब भारत पर यह दबाव पड़ने लगा कि वह वहाँ पर सेना के जरिए हस्तक्षेप करे। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी चाहती थीं कि अप्रैल में आक्रमण किया जाए। इस बारे में इंदिरा गांधी ने थल सेनाध्यक्ष जनरल मानेकशॉ की राय ली।

तब भारत के पास सिर्फ़ एक पर्वतीय डिवीजन था। इस डिवीजन के पास पुल बनाने की क्षमता नहीं थी। तब मानसून भी दस्तक देने ही वाला था। ऐसे समय में पूर्वी पाकिस्तान में प्रवेश करना मुसीबत मोल लेने जैसा था। मानेकशॉ ने सियासी दबाव में झुके बिना प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से स्पष्ट कह दिया कि वे पूरी तैयारी के साथ ही युद्ध के मैदान में उतरना चाहते हैं। 3 दिसंबर, 1971 को इंदिरा गांधी तत्कालीन कलकत्ता में एक जनसभा को संबोधित कर रही थीं। इसी दिन शाम के वक्त पाकिस्तानी वायुसेना के विमानों ने भारतीय वायुसीमा को पार करके पठानकोट, श्रीनगर, अमृतसर, जोधपुर, आगरा आदि सैनिक हवाई अड्डों पर बम गिराना शुरू कर दिया। इंदिरा गांधी ने उसी वक्त दिल्ली लौटकर मंत्रिमंडल की आपात बैठक की। युद्ध शुरू होने के बाद पूर्व में तेज़ी से आगे बढ़ते हुए भारतीय सेना ने जेसोर और खुलना पर कब्ज़ा कर लिया। भारतीय सेना की रणनीति थी कि अहम ठिकानों को छोड़ते हुए पहले आगे बढ़ा जाए। युद्ध में मानेकशॉ खुलना और चटगांव पर ही कब्ज़ा करने पर ज़ोर देते रहे। ढाका पर कब्ज़ा करने का लक्ष्य भारतीय सेना के सामने रखा ही नहीं गया।

पाक सुरक्षा बलों को ठोकने में जुटा है तालिबान

नीरज कुमार दुबे

पाकिस्तान में सुरक्षा बलों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। अपनी सेना, वायुसेना और पुलिस बलों पर लगातार हो रहे हमलों को देखकर पाकिस्तानी जनता स्तब्ध है और उसे यह चिंता सता रही है कि जब सुरक्षाकर्मी खुद सुरक्षित नहीं हैं तो उनका क्या होगा? हम आपको बता दें कि पाकिस्तान में हुई ताजा घटना में अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले में मंगलवार को पाकिस्तानी तालिबान के आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों की चौकी को विस्फोटक से लदे वाहन से टक्कर मार दी जिससे दो दर्जन पाकिस्तानी सैनिक मारे गये। इस घटना के बाद पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच पहले से चल रहा तनाव और बढ़ गया है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से कहा है कि वह इस मामले की जांच में सहयोग करे तो वहीं अफगानिस्तान ने इस घटना को पाकिस्तान का आंतरिक मुद्दा बता कर पल्ला झाड़ लिया है। हम आपको यह भी बता दें कि यह घटना ऐसे समय हुई है जब अफगानिस्तान की शिकायत करने के लिए पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष अमेरिका पहुँचे हुए हैं। वह अमेरिका को इस बात का विश्वास दिलाने में जुटे ही थे कि तालिबान पाकिस्तान में अशांति फैला रहा है कि तभी यह घटना सामने आ गयी।

जहां तक इस घटना की बात है तो आपको बता दें कि पाकिस्तानी सेना ने कहा है कि दक्षिण वजीरिस्तान कबायली जिले की सीमा से लगे अशांत डेरा इस्माइल खान जिले में प्रवेश करने के मंसूबों को 'प्रभावी ढंग से विफल' कर दिए जाने के बाद आतंकवादियों ने विस्फोटकों से भरे वाहन से चौकी की इमारत में टक्कर मार दी। इस हमले के बाद आत्मघाती हमला भी किया गया जिसके कारण इमारत ढह गई और कई लोग हताहत हुए। पाकिस्तानी सेना ने कहा है कि सुरक्षा बलों ने सभी हमलावरों को मार गिराया जबकि पुलिस की नयी टुकड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया और बाद में तलाशी अभियान शुरू किया गया। हम आपको बता दें कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से

संबद्ध और नवगठित आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-जिहाद पाकिस्तान (टीजेपी) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। इसके प्रवक्ता मुल्ला कासिम ने इस हमले को आत्मघाती मिशन (फिदायीन हमला) करार दिया है। पाकिस्तानी पुलिस ने यह भी कहा है कि मृतक संख्या बढ़ने की आशंका है क्योंकि हमले में घायल कई लोगों की हालत गंभीर है। हमले के कारण जिले के अस्पतालों में आपातकाल घोषित कर दिया गया जबकि सभी स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए।

हम आपको बता दें कि पाकिस्तान में कुछ बड़े हमलों के पीछे आतंकी संगठन तहरीक-ए-जिहाद पाकिस्तान का हाथ रहा है। चार नवंबर को इसके आतंकवादियों ने लाहौर से लगभग 300 किलोमीटर दूर पाकिस्तान वायु सेना के मियांवाली प्रशिक्षण वायुसेना अड्डे पर हमला किया था, जिसमें तीन विमान क्षतिग्रस्त हो गए थे। इसके अलावा, इसी साल जुलाई में टीजेपी आतंकवादियों ने अशांत बलूचिस्तान प्रांत में झोब गैरीसन पर हमला किया जिसमें चार सैनिक मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए थे। देखा जाये तो अगस्त 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता पर कब्जा करने के बाद से पाकिस्तान को हिंसा में वृद्धि का सामना करना पड़ रहा है। इस पूरे साल पाकिस्तान में आतंकी और अलगाववादी सुरक्षा बलों को निशाना बनाते रहे हैं। आतंकवादियों ने पाकिस्तान में सुरक्षा और सैन्य प्रतिष्ठानों पर लगातार हमले किए हैं।

जहां तक पाकिस्तान के सेना प्रमुख की अमेरिका यात्रा की बात है तो आपको बता दें कि वह इस सप्ताह वाशिंगटन में हैं और पड़ोसी अफगानिस्तान में आतंकवादियों की पनाहगाह होने का आरोप लगाते हुए अमेरिकी सहायता की मांग कर रहे हैं। जनरल असीम मुनीर अमेरिकी सुरक्षा और रक्षा अधिकारियों को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और इस्लामिक स्टेट की खुरासान शाखा (आईएस-के) जैसे आतंकवादी समूह न केवल पाकिस्तान के लिए बल्कि अमेरिका और वैश्विक सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा करते हैं। इस प्रकार की रिपोर्टें हैं कि पाकिस्तान ने अमेरिका को सुझाव दिया है कि यदि वह चाहे तो अफगानिस्तान में आतंकवादी पनाहगाहों को निशाना बनाने के लिए अपने ड्रोन अड्डे पाकिस्तान में बना सकता है। बताया जा रहा है कि अमेरिका पाकिस्तान के साथ सहानुभूति तो दर्शा रहा है पर वह अफगानिस्तान में टीटीपी के ठिकानों पर सैन्य कार्रवाई पर विचार नहीं कर रहा है। इसके अलावा यह भी माना जा रहा है कि अमेरिका विशेष रूप से दक्षिण-मध्य एशिया में सैन्य भागीदारी से तंग आ चुका है। अमेरिका यह भी जानता है कि आज जिस तालिबान की शिकायत पाकिस्तान कर रहा है उसे पाला पोसा भी पाकिस्तान ने ही है। 1990 के दशक में अफगानिस्तान में एक चरमपंथी इस्लामी आंदोलन के रूप में उभरने के बाद से तालिबान को पाकिस्तानी सेना और खुफिया विभाग के लिए एक प्रॉक्सी समूह के रूप में देखा गया है। अफगानिस्तान में अमेरिका के दो दशकों के युद्ध के दौरान भी पूर्व अफगान और अमेरिकी अधिकारियों ने लगातार पाकिस्तान पर तालिबान विद्रोहियों को आश्रय और समर्थन प्रदान करने का आरोप लगाया था। साथ ही अमेरिका यह भी नहीं भूला है कि कैसे पाकिस्तानियों ने 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता में वापसी का जश्न मनाया था। उस दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहे इमरान खान ने भी खुशी जताते हुए कहा था कि अफगानों ने गुलामी की बेड़ियाँ तोड़ दी हैं। पाकिस्तान समझ रहा है कि उसकी बात पर अमेरिका इतनी जल्दी यकीन नहीं करेगा लेकिन फिर भी वह प्रयास जारी रखे हुए है। दरअसल पाकिस्तान जानता है कि दो साल पहले अफ़ग़ानिस्तान से सैनिकों की वापसी के बावजूद, अमेरिका ने क्षेत्र में उस चीज़ को बरकरार रखा है जिसे अमेरिकी अधिकारी क्षितिज से परे क्षमताएँ कहते हैं यानि सुरक्षा खतरों के जवाब में लक्ष्य पर हमला करने की क्षमता। हम आपको याद दिला दें कि जुलाई 2022 में अमेरिकी ड्रोन हमले में काबुल में अल-कायदा के पूर्व प्रमुख अयमान अल-जवाहिरी की मौत हो गई थी। इसलिए पाकिस्तान चाहता है कि अफगान धरती से उस पर हमला कर रहे आतंकवादियों से निबटने में अमेरिका उसकी मदद करे। पाकिस्तानी सेना प्रमुख वैसे तो कई बड़े उद्देश्यों के साथ अमेरिका गये हैं लेकिन पेंटागन के एक संक्षिप्त बयान में मात्र यही कहा गया है कि मुनीर ने बुधवार को रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन से मुलाकात की और हाल के क्षेत्रीय सुरक्षा विकास और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के संभावित क्षेत्रों पर चर्चा की। दूसरी ओर, अफगानिस्तान की बात करें तो वहां राज कर रहे तालिबान अधिकारियों ने पाकिस्तान के आरोपों को लगातार खारिज किया है। उनका कहना है कि वे समूहों और व्यक्तियों को अफगान धरती से किसी भी देश के लिए खतरा पैदा करने की अनुमति नहीं देते हैं। हालिया हमले के बाद पाकिस्तान सरकार ने अफगान प्रभारी सरदार अहमद शाकिब को एक डिमार्श जारी किया था। डिमार्श के जवाब में अफगान अंतरिम सरकार ने आतंकवादी हमले की जांच करने का वादा किया लेकिन इस्लामाबाद से हर समस्या के लिए काबुल को दोषी ठहराने से परहेज करने को भी कहा। तालिबान के मुख्य प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने अफगानिस्तान पर उंगली उठाने की बजाय अपनी सुरक्षा बढ़ाने को कहा। बहरहाल, इसमें कोई दो राय नहीं कि पाकिस्तान लगभग दो दशकों से टीटीपी के विद्रोह से जूझ रहा है। पाकिस्तानी अधिकारियों का दावा है कि 2021 में अफगान तालिबान के अफगानिस्तान में सत्ता हासिल करने के बाद से समूह ने अपनी आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ा दिया है। हम आपको यह भी बता दें कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हालिया विवाद तब भी सामने आया था जब पाकिस्तान ने हजारों अफगान शरणार्थियों और बिना दस्तावेज वाले प्रवासियों को निर्वासित करना शुरू कर दिया था।

आज का इतिहास

1942 सोवियत संघ ने टाट्सिन्काया रेड शुरू किया।
1944 द्वितीय विश्व युद्ध-नाजी जर्मनी के वेहरमाच ने पश्चिमी मोर्चे में अपना अंतिम आक्रामक युद्ध शुरू किया।
1946 थाईलैंड संयुक्त राष्ट्र संघ का सदस्य बना।
1949 सुकर्णो इंडोनेशिया गणराज्य के राष्ट्रपति चुने गए।
1955 इंग्लैंड के व्यस्ततम हीथ्रो हवाई अड्डे का शुभारंभ हुआ।
1960 न्यू यॉर्क शहर के स्टेटनियस भूमि पर भारी बादलों में दो विमानों के मध्य हवा में टकरा जाने से 134 लोगों की मौत हो गई।
1969 ब्रिटेन की संसद ने मृत्युदंड पूरी तरह खत्म करने के पक्ष में मतदान किया।
1986 दीनमुक्मेड कोनायेव को कजाकिस्तान की कम्युनिस्ट पार्टी के प्रथम सचिव के पद से बर्खास्त कर दिया गया, देश के बाहर दंगे भड़काए गए।
1997 जापानी टेलीविजन सीरीज़ पोकेमॉन के एक एपिसोड, डेन्यो सेन्शी पोरगॉन ने 685 बच्चों में मिरगी के दौरे को प्रेरित किया।
2006 नेपाल में अंतरिक्ष संविधान को अंतिम रूप दिया गया। इसके तहत राजा ज्ञानेन्द्र को देश के प्रमुख के पद से हटा दिया गया।
2010 आयरलैंड गणराज्य को 22.5ड्ढ्ठ यूरो का ऋण अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा स्वीकृत है।
2011 अमेरिकी सीनेट और प्रतिनिधि सभा द्वारा एक बजट समझौता किया जाता है।
2012 पूर्व प्रधानमंत्री और विपक्षी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता शिंजो आबे के साथ जापान का आम चुनाव है।
2012 दक्षिण अफ्रीका के उपराष्ट्रपति, कल्गेमा मोटलन्थे ने अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस (ह्रष्ट) के उद्घाटन पर राष्ट्रपति जैकब जुमा द्वारा पार्टी नेतृत्व को चुनौती दी।
2013 वर्षों की कमी के बाद, वैज्ञानिकों ने बताया कि आर्कटिक समुद्री बर्फ का विस्तार और मात्रा में पुनर्जन्म हुआ है।
2013 रोबोट निर्माता बोस्टन डायनेमिक्स त्रश्शद्दद्यद्ग द्वारा एक अज्ञात राशि के लिए खरीदा जाता है; पहले अमेरिकी सेना द्वारा अनुबंधित किया गया था।
2014 पाकिस्तान में पेशावर के एक स्कूल में तहरीक ए तालिबान के हमले में 145 लोगों की मौत हुई जिनमें ज्यादातर स्कूली बच्चे थे।
2014 अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के अंतरिक्ष यात्रियों ने पृथ्वी पर इंजीनियरों से स्टेशन पर ईमेल किए गए कस्टम-डिज़ाइन किए गए ब्लूप्रिंट का उपयोग करके अपने 3 डी प्रिंटर में एक विशेष रिंच बनाया है; पहले, ऑब्जेक्ट प्री-लोडेड डिज़ाइन फ़ाइलों से प्रिंट किए गए हैं।

मायावती समझें परिवारवाद का युग चला गया

रमेश सर्राफ धमोरा

हाल ही में संपन्न हुए राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना व मिजोरम विधानसभा के चुनाव में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का ग्राफ तेजी से गिरा है। राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ जैसे हिंदी पट्टी वाले प्रदेशों में बहुजन समाज पार्टी एक तीसरे विकल्प के रूप में अपनी ताकत का एहसास कराती आई थी। मगर इस बार के विधानसभा चुनाव में बसपा का पूरी तरह सूपड़ा ही साफ हो गया है। पिछले विधानसभा चुनाव में राजस्थान में बसपा को 4 प्रतिशत वोट व 6 सीटों पर जीत मिली थी। मगर इस बार यहां बसपा 1.82 प्रतिशत वोटों के साथ मात्र दो सीटों पर ही सिमट गई है। राजस्थान विधानसभा चुनाव में बसपा को मात्र 721037 वोट मिले हैं। मध्य प्रदेश में पिछली बार बसपा को दो सीट व 5.01 प्रतिशत वोट मिले थे। जबकि इस बार के चुनाव में वहां बसपा को 3.40 प्रतिशत यानी 14,77,202 वोट तो मिल गए मगर सीट एक भी नहीं मिली।

इसी तरह छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में पिछली बार बसपा को दो सीटों के साथ 552313 यानी 3.9 प्रतिशत वोट मिले थे। मगर इस चुनाव में वहां बसपा को सीट तो एक भी नहीं मिली उसके साथ ही वोटों में भी गिरावट दर्ज हुई है। वहां बसपा को 319903 यानी 2.05 प्रतिशत वोट ही मिले हैं। तेलंगाना के विधानसभा चुनाव में बसपा का खाता भी नहीं खुला। वहां पार्टी को 321074 यानी 1.37 प्रतिशत वोट मिले हैं।

मिजोरम में तो वैसे ही बसपा का कोई नाम लेवा नहीं है। 2022 में हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव में बसपा 53 सीटों पर चुनाव लड़ी मगर एक भी प्रत्याशी नहीं जीत पाया था। वहां पार्टी को 14613 यानी 0.35 प्रतिशत मत मिले थे। पिछले गुजरात विधानसभा के पिछले चुनाव में वहां बसपा ने 101 सीटों पर चुनाव लड़ा था। जिसमें 100 सीटों पर पार्टी प्रत्याशियों के जमानत जप्त हो गई थी। वहां पार्टी को मात्र 158123 यानी 0.5 प्रतिशत मत मिले थे। उतराखंड में बसपा के दो व पंजाब में एक विधायक है।

उत्तर प्रदेश की स्थिति देखें जहां से बसपा का जन्म हुआ था। वहां 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी महज एक सीट ही जीत सकी थी। वहां बसपा को सिर्फ 12.88 प्रतिशत मत मिले थे। वहीं 2017 के विधानसभा चुनाव में 19 सीट व 22.31 प्रतिशत वोट मिले थे। 2012 की विधानसभा चुनाव में बसपा को उत्तर प्रदेश में 80 सीटों के साथ 25.91 प्रतिशत वोट मिले थे। वहीं 2007 के विधानसभा चुनाव में बसपा ने 30.43 प्रतिशत वोटो के साथ 206 सीट जीतकर अपने दम पर सरकार बनाई थी।

2002 के चुनाव में बसपा को 98 सीट व 23.6 प्रतिशत वोट मिले थे। 1996 के चुनाव में 67 सीट व 19.64 प्रतिशत वोट मिले थे। 1993 के चुनाव में 67 सीट व 11.12 प्रतिशत वोट, 1991 के चुनाव में 12 सीट व 9.44 प्रतिशत वोट मिले थे। 1989 के चुनाव में पहली बार बसपा ने उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़कर 13 सीट तथा 9.41 प्रतिशत वोट पाए थे।

उपरोक्त आंकड़ों का विश्लेषण करें तो पता चलता है कि बहुजन समाज पार्टी का जनाधार लगातार कमजोर पड़ता जा रहा है। लोकसभा चुनाव के आंकड़ों को देख तो 2019 के चुनाव में बसपा को उत्तर प्रदेश में 10 सीटें व 3.67 प्रतिशत वोट मिले थे। 2014 के लोकसभा चुनाव में बसपा का खाता भी नहीं खुला था। हालांकि पार्टी को 4.19 प्रतिशत वोट मिले थे। 2009 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश में 20 व मध्य प्रदेश में एक कुल 21 सीट व 6.56 प्रतिशत वोट पाए थे। 2004 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश से 19 सीट जीतकर 5.33 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे।

1999 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश से 14 सीट जीती थी तथा 4.16 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। 1998 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश में चार व हरियाणा में कुल पांच सीट जीती थीं तथा 4.67 प्रतिशत वोट पाए थे। 1996 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश से 6 पंजाब से तीन व मध्य प्रदेश से दो यानि कुल 11 सीट जीती थी तथा 4.02 प्रतिशत मत प्राप्त किए थे। 1991 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने मध्य प्रदेश में एक पंजाब में एक व उत्तर प्रदेश में एक कुल तीन सीट जीती थी वहीं 1.61 प्रतिशत मत प्राप्त किए थे। 1989 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ा था और पार्टी ने उत्तर प्रदेश में तीन व पंजाब में एक कुल चार सीटे जीत कर 2.07 प्रतिशत वोट पाये थे। पिछले लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी से समझौता होने के चलते 10 सीटों पर जीत जरूर हासिल कर ली थी। मगर उसके बाद बसपा सुप्रीमो मायावती ने समाजवादी पार्टी से अपना चुनावी गठबंधन समाप्त कर दिया था और एकला चलों की नीति पर ही 2022 में उत्तर प्रदेश विधानसभा का चुनाव लड़ा था। जिसमें पार्टी का प्रदर्शन सबसे कमजोर रहा था। 2022 के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में जहां से बसपा एक ताकत बनकर उभरी थी और चार बार सरकार बना चुकी है। वहां मात्र एक सीट पर सिमट जाना पार्टी के नेताओं के लिए बड़े शर्म की बात है।

कांशीराम के जमाने में बसपा का पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ जैसे कई प्रदेशों में बड़ा प्रभाव रहता था। लेकिन अब धीरे-धीरे बसपा सिमटने लगी है। बसपा से जीते हुए बहुत से सांसद, विधायक दल बदल कर दूसरे दलों में शामिल हो जाते हैं। जिससे बसपा दिनोंदिन कमजोर होने लगी है। राजस्थान विधानसभा के 2008 व 2018 के चुनाव में बसपा से 6-6 विधायक चुनाव जीते थे। मगर दोनों ही बार सभी विधायकों ने कांग्रेस में विलय कर गहलोत सरकार में मंत्री व अन्य लाभकारी पदों को हासिल कर लिया था।

कभी बसपा में कैडर पार्टी का मुख्य आधार होता था। मगर आज पार्टी में कैडर नाम मात्र का भी नहीं बचा है। पार्टी के अधिकांश बड़े पदों पर पुराने नेताओं के स्थान पर दलबदलुओं का कब्जा हो गया है। बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती का अकेले चलो की सोच ने पार्टी को रसातल में पहुंचा दिया है। मायावती ना तो केन्द्र में सत्तारुढ़ भाजपा के साथ जाना चाहती है और ना ही इंडिया गठबंधन में शामिल होना चाहती है। ऐसे में एकला चलो की नीति बसपा के लिए आत्मघाती साबित हो रही है।

बसपा सुप्रीमो मायावतीने अपने भतीजे आकाश आनंद को विधिवत अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी घोषित कर दिया है ताकि पार्टी को एक युवा नेता मिल सके। अब आगे उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड कि राजनीति स्वयं मायावती देखेंगी बाकी के प्रदेशों में संगठन का काम आकाश आनंद संभालेंगे। यदि मायावती को अपनी पार्टी का राजनीतिक अस्तित्व बचाना है तो उन्हें भाजपा नीत एनडीए या कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन में से किसी एक का साथ भी लेना होगा। बिना किसी गठबंधन में शामिल हुए बसपा का जनाधार बचना मुश्किल लग रहा है। केंद्र सरकार के विरोधी इंडिया गठबंधन में शामिल अधिकांश दलों के नेता भी चाहते हैं कि मायावती उनके गठबंधन में शामिल होकर भाजपा के खिलाफ विपक्ष की एकता को मजबूत करें। अब इस बात का फैसला तो खुद मायावती को ही करना है कि वह किसी गठबंधन में शामिल होंगी या फिर अपना एकला चलो का राग ही अलापती रहेंगी।

अब भाजपा में भी यादव राज अखिलेश-तेजस्वी से अलग लकीर

अमित शर्मा

भाजपा में भी अब यादव राज की शुरुआत हो गई है। मध्य प्रदेश भाजपा विधायक दल की बैठक में सोमवार को मोहन यादव को राज्य के अगले मुख्यमंत्री के लिए चुना गया।

मोहन यादव का नाम आते ही यह कहा जाने लगा है कि उनका नाम उत्तर प्रदेश और बिहार की राजनीति को ध्यान में रखते हुए तय किया गया है जहां अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव के रूप में दो बड़े नेता यादव जातियों की राजनीति कर रहे हैं। भाजपा में बड़े यादव चेहरे के उभरने से सपा-राजद की जातीय राजनीति को कड़ी चुनौती मिल सकती है। इस तरह यूपी-बिहार की सियासत के लिए यह भाजपा का तुरुप का पत्ता साबित हो सकता है। हालांकि, राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि भाजपा को यह दांव बेहद सतर्कता के साथ खेलने की आवश्यकता है, अन्यथा उसे यह दांव उलटा भी पड़ सकता है। उत्तर प्रदेश में यादवों की संख्या आठ प्रतिशत से कुछ अधिक मानी जाती है। हालांकि, कुल ओबीसी आबादी की यह लगभग 20 प्रतिशत है। अपनी इसी हिस्सेदारी के दम पर यादव जाति का ओबीसी समुदाय की राजनीति पर दबदबा है। इसी तरह बिहार में यादव समाज की हिस्सेदारी लगभग 14.26 प्रतिशत है। इसी जातीय समीकरण के दम पर लालू यादव बिहार में ओबीसी समुदाय के सबसे बड़े नेता बनकर उभरे और आज तक उनकी पार्टी राज कर रही है। काफी कोशिशों के बाद भी भाजपा यूपी-बिहार की यादव जातियों की राजनीति में सेंध नहीं लगा पा रही थी, लेकिन मोहन यादव को मध्य प्रदेश की कमान सौंपकर उसने इन राज्यों के यादव मतदाताओं को यह संकेत दिया है कि वह उन्हें भी सत्ता की कमान सौंपने के लिए तैयार है। इस वोट बैंक को साधने के लिए अगले लोकसभा चुनावों में मोहन यादव यूपी-बिहार के यादव बहुल इलाकों में भाजपा का चुनाव प्रचार करते हुए देखे जा सकते हैं। उसे इसका लाभ मिल सकता है। सपा-राजद के लिए यादव वोट बैंक एक ठोस आधार के रूप में काम करता रहा है। लेकिन इसी के साथ इस मामले का एक पहलू यह भी है कि यह वोट बैंक उनकी राजनीतिक सीमाओं को सिकोड़ने वाला भी साबित हुआ है। यूपी-बिहार में यादव जाति को एक दबंग जाति के रूप में देखा जाता है। गैर यादव ओबीसी और दलित-महादलित जातियों के कुछ लोगों का मानना रहा है कि यादव समुदाय की दबंगई के कारण उन्हें नुकसान होता रहा है। 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान सपा-बसपा का जो राजनीतिक गठबंधन अजेय माना जा रहा था और कहा जा रहा था कि इस गठबंधन के बाद भाजपा यूपी में खाता तक नहीं खोल पाएगी, उसे कोई सफलता नहीं मिली। बसपा केवल दस लोकसभा सीटों और सपा केवल पांच सीटों तक सिमट कर रह गई। चुनाव विश्लेषण से पता चला कि सपा-बसपा के नेताओं ने आपस में गठबंधन कर लिया, लेकिन दोनों ही पार्टियों के कार्यकर्ताओं और मतदाताओं ने इस गठबंधन को स्वीकार नहीं किया। दोनों ही दलों के वोट बैंक एक दूसरे को शिफ्ट नहीं हुए और इसी कारण इन दलों को इस गठबंधन का कोई लाभ नहीं हुआ। राजनीतिक-सामाजिक विश्लेषक धीरेंद्र कुमार ने कहा कि केवल एक नेता को मुख्यमंत्री बना देने से किसी जाति के वोट पूरी तरह किसी दूसरे दल को ट्रांसफर नहीं होते। लेकिन इसका एक संदेश देकर राजनीतिक दल कुछ लाभ लेने की कोशिश करते हैं। भाजपा को इसका लाभ मिल सकता है। पहले भाजपा ने गैर यादव ओबीसी और गैर जाटव दलित को अपने खेमे के साथ जोड़ा। उन्हें यह बताया गया कि ये दोनों दबंग जातियां उनका हक छीन लेती हैं जिससे उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिल पाता। अब भाजपा स्वयं ही यादव जाति को साधने की कोशिश करेगी तो इससे इन जातियों के उससे बिदकने का खतरा भी बढ़ सकता है। इसलिए भाजपा को दूसरी जातियों को जोड़ने के समय इन जातियों की भावनाओं को भी ध्यान रखना होगा। अन्यथा उसे यह दांव उलटा भी पड़ सकता है।

ओबीसी, आदिवासी और ब्राह्मण सीएम का दांव खेलकर मोदी ने विपक्ष को किया चित

संतोष पाठक

मोदी-शाह और नड्डा की तिकड़ी ने वो कमाल कर दिखाया है जो आज से महज एक सप्ताह पहले तक कोई सोच भी नहीं सकता था। यह तो सब मान कर चल रहे थे कि अगर भाजपा इस बार छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान की सत्ता में आती है तो भी रमन सिंह, शिवराज सिंह चौहान और वसुंधरा राजे सिंधिया का फिर से मुख्यमंत्री बनना मुश्किल है लेकिन यह सब इतनी आसानी से हो जाएगा और यही तीनों नेता अपने-अपने राज्य में नए मुख्यमंत्री का नाम प्रस्तावित करेंगे, ऐसा किसी ने सोचा तक नहीं था। लेकिन छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में मुख्यमंत्रियों के चयन ने लोगों और भाजपा नेताओं के साथ-साथ विपक्षी दलों को भी हैरान-परेशान कर दिया है बल्कि अगर यह कहा जाए कि ओबीसी, आदिवासी और ब्राह्मण सीएम का दांव खेल कर मोदी ने विपक्ष को चारों खाने चित कर दिया है तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। ओबीसी कार्ड के जिस दांव के सहारे अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश में और तेजस्वी यादव बिहार में कुल मिलाकर लोक सभा की 120 सीटों को साधने की रणनीति बना रहे थे, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश में एक यादव मुख्यमंत्री बनाकर विफल कर दिया है। ओबीसी यादव मोहन यादव को मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने यादव नाम के सहारे राजनीतिक दल चलाने वाले अखिलेश यादव और लालू यादव के बेटे तेजस्वी यादव के सामने एक बड़ा राजनीतिक संकट खड़ा कर दिया है। छत्तीसगढ़ में आदिवासी नेता विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने सिर्फ छत्तीसगढ़ का चुनावी गणित ही नहीं साधा है बल्कि देश भर के 10 करोड़ से ज्यादा आदिवासी जनसंख्या को एक बड़ा राजनीतिक संदेश भी दे दिया है। लोक सभा की 543 सीटों में से 47 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। ये 47 सीटें छत्तीसगढ़ के अलावा असम, गुजरात, झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, ओडिशा, राजस्थान, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल सहित 17 राज्यों एवं संघ शासित प्रदेशों से आती है। इन 47 लोक सभा सीटों के अलावा भी 50 से ज्यादा सीटों पर आदिवासी मतदाता जीत-हार में बड़ी भूमिका निभाते हैं। अगड़ी जातियों की नाराजगी की खबरों के बीच भाजपा ने राजस्थान में ब्राह्मण चेहरे भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाकर बड़ा दांव खेल कर हिंदी भाषी राज्यों के अगड़े वर्ग के वोटरों खासकर ब्राह्मण मतदाताओं को लुभाने का बड़ा प्रयास किया है। अगर भाजपा का यह राजनीतिक दांव चल गया तो राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सहित हिंदी पट्टी के राज्यों में भाजपा को जबरदस्त बढ़त मिलना तय जा रहा है क्योंकि खुश होने पर ब्राह्मण जाति सिर्फ वोट देकर घर नहीं बैठ जाते हैं बल्कि यह अपने सामाजिक प्रभाव का इस्तेमाल कर अन्य जातियों का वोट दिलवाने में भी बड़ी भूमिका निभाते हैं। जाहिर है कि नए चेहरों पर दांव खेलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी न केवल भविष्य की भाजपा को तैयार कर रहे हैं बल्कि एक बार फिर उन्होंने अपने राजनीतिक कौशल का परिचय देते हुए विपक्षी दलों को चारों खाने चित कर दिया है।

'इंडिया' के लिए चुनौती पैदा कर सकता है 370 पर फैसला

अंकित सिंह

सुप्रीम कोर्ट द्वारा सोमवार को अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखने के साथ, इंडिया ब्लॉक की प्राथमिक चुनौती अब फैसले पर प्रतिक्रिया तैयार करना होगी क्योंकि भाजपा इसे जम्मू-कश्मीर में अपने कार्यों के जोरदार समर्थन के रूप में पेश करेगी। हिंदी पट्टी के राज्यों में विधानसभा जीत के बाद भाजपा की आक्रामकता और अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन की प्रतीक्षा में, सोमवार को अनुच्छेद 370 पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने एक और ध्रुवीकरण मुद्दा प्रदान किया है जो लोकसभा चुनाव को लेकर इंडिया ब्लॉक के सामने कई बड़ी चुनौतियां पेश कर सकती हैं।

370 को लेकर जो सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया उसके बाद वामपंथी और जम्मू कश्मीर के राजनीतिक दलों ने जहां इस पर निराशा व्यक्त की तो वहीं विपक्षी गठबंधन का हिस्सा रहने के बावजूद उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने इसका जोरदार तरीके से स्वागत किया। कांग्रेस ने भी यह साफ तौर पर कह दिया कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे को लेकर जो राजनीतिक बहस छिड़ी हुई थी उसे समाप्त कर दिया। कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर किसी भी प्रकार की निराशा व्यक्त नहीं की। पार्टी ने अपनी बात कहने के लिए अपने कानूनी दिग्गज पी चिदम्बरम और अभिषेक सिंघवी को मैदान में उतारा। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत द्वारा सुनवाई की गई किसी भी याचिका में कांग्रेस न तो याचिकाकर्ता थी और न ही हितधारक, इस सवाल को खारिज कर दिया कि क्या पार्टी समीक्षा की मांग करेगी।

कांग्रेस को अब इस बात किया शंका दिखने लगी है कि अगर 370 के खिलाफ प्रचार किया जाए तो इसे

हिंदी पट्टी राज्यों में भाजपा को भारी समर्थन मिल सकता है। वहीं, पार्टी को नुकसान हो सकता है। यही कारण है कि कांग्रेस इस मामले को लेकर फूंक-फूंक कर कदम उठा रही है। वह अब सिर्फ जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और जल्द चुनाव कराए जाने की मांग पर अड़ी हुई है। हालांकि, कांग्रेस का यह रुख नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी के अनुकूल नहीं है। इससे कहीं ना कहीं कश्मीर के इन दलों के साथ कांग्रेस के रिश्तों में खटास देखने को मिल सकता है। कांग्रेस के लिए राहत की बात यह भी है कि उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने जहां मुखरते से फैसले का स्वागत किया है तो वहीं समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी जैसे सहयोगी दल इस मामले पर पूरी तरीके से चुप नजर आ रहे हैं। आप ने 2019 में आपने इसका समर्थन किया था लेकिन फिलहाल सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद उसने चुप्पी साथ रखी है।

डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आज़ाद पार्टी के अध्यक्ष गुलाम नबी आज़ाद ने कहा, एक उम्मीद थी क्योंकि कई चीज़ों में हमने कहा था कि जो कोर्ट कहेगा वह आखिरी फैसला होगा... मैं बुनियादी तौर पर कहता हूं कि इसे खत्म करना ग़लत था। इसे करते वक्त जम्मू-कश्मीर की राजनीतिक पार्टियों से पूछा नहीं गया... हम अदालत के खिलाफ नहीं जा सकते लेकिन इस फैसले से हम, जम्मू-कश्मीर के लोगों को अफसोस है...। कांग्रेस नेता कर्ण सिंह ने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने बहुत बारीकी से हर एक चीज को देखा है। सभी परिस्थितियों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट उस नतीजे पर पहुंची है। मैं फैसले का स्वागत करता हूं...मेरी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रार्थना है कि जल्द से जल्द हमें राज्य का दर्जा दे दें। जरूरी नहीं है कि पहले चुनाव हो फिर राज्य का दर्जा मिले। चुनाव हो तो राज्य के लिए हो, केंद्र शासित प्रदेश के लिए क्यों हों। चुनाव सिंतबर तक कराने की बात कही गई है ये अच्छी बात है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा, निराश हूं लेकिन हताश नहीं हूं। संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि हमने सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया था क्योंकि हमें न्याय की उम्मीद थी...हम सुप्रीम कोर्ट का सम्मान करते हैं...हमारी कोशिशें यहीं खत्म नहीं होंगी। हम फिर से अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे? हम कानूनी परामर्श के बाद इस पर फैसला करेंगे। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा, हिम्मत नहीं हारे, उम्मीद न छोड़े, जम्मू-कश्मीर ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। सुप्रीम कोर्ट का आज का फैसला यह एक मुश्किल पड़ाव है, यह मंजिल नहीं है... हमारे विरोधी चाहते हैं कि हम उम्मीद छोड़कर इस शिकस्त को स्वीकार करें... यह हमारी हार नहीं यह देश के धैर्य की हार है...। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, ...आज सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया है...सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद कोई बात नहीं बनती है लेकिन कुछ लोग यह समझते हैं कि जिस भावना से 370 लागू हुई थी उस भावना के पक्ष में निर्णय नहीं है लेकिन सुप्रीम कोर्ट का फैसला आ गया है और सभी उसे मानेंगे...।

नये चेहरों पर भरोसा जता कर भाजपा ने राजनीति में किया बड़ा उलटफेर

ललित गर्ग

भारतीय जनता पार्टी ने छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश व राजस्थान में ऐतिहासिक जीत के बाद जिस प्रकार मुख्यमन्त्री पद पर चौंकाने वाले नामों के फैसले लेकर सबको चकित किया हैं, उनसे स्पष्ट है कि यह पार्टी राजनीति की नयी परिभाषा गढ़ने के साथ जमीनी कार्यकर्ताओं को भविष्य के नेता बनाने के लिये तत्पर है। पार्टी एवं विशेषत: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आम जनता को सन्देश दे रहे हैं कि साधारण से साधारण कार्यकर्ता भी पार्टी में एक दिन ऊंचे से ऊंचे पद पर पहुंच सकता है। छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय, मध्य प्रदेश में मोहन यादव और आज राजस्थान में भजनलाल शर्मा को जिस तरह मुख्यमन्त्री का पद सौंपा गया है उससे यह भी साफ करने की कोशिश की गई है कि कोई भी अपनी लोकप्रियता का ढिंढोरा पीटकर और विधायकों को अपनी जेब में रखने का भ्रम दिखा कर मुख्यमन्त्री बन सकता है तो भाजपा आलाकमान उसकी यह दादागिरी बर्दाश्त नहीं करेगा। भाजपा में गढ़ी जा रही नयी राजनीतिक परिभाषाएं ही उसके प्रचंड जीत का आधार बन रही है। भाजपा नेतृत्व में सिर्फ औरो पर हुकूमत नहीं की जाती, बल्कि सबका साथ, सबका विकास के आधार राजनीति धरातल को मजबूती दी जाती है। सबके अस्तित्व को नकार कर सिर्फ स्वयं के होने की प्रस्तुति कभी नेतृत्व एवं कर्तृत्व के कद को ऊंचाई दे सकती।

भाजपा ने न केवल नए चेहरों पर भरोसा किया है बल्कि राजनीति के धुरंधर खिलाड़ियों को भी उनकी जमीन दिखाने की कोशिश की है, इस तरह की राजनीति के दूरगामी सकारात्मक परिणाम देखने को मिल सकते हैं, वहीं राजनीति में नये चेहरों के आने से ताजगी का अहसास किया जा सकता है। राजनीति किन्हीं नेताओं की बपौती नहीं है, यह बात मोदी जैसे नेता ही सिद्ध कर पाये हैं। वरना भारतीय राजनीति में परिवारवाद, धन एवं ताकत का बोलबाला रहा है, जमीन से जुड़े लोग तो राजनीति से घबराने लगे थे। लेकिन भाजपा की राजनीति ने सिद्ध कर दिया कि यहां कुछ भी असंभव नहीं। अनेक विधायकों की उम्र बीत जाती है मुख्यमंत्री पद का इंतजार करते, पर राजस्थान में भाजपा ने पहली बार जीतकर विधानसभा पहुंचे भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाकर एक ऐसा संदेश दिया है, जिसका असर पार्टी में निचले स्तर के कार्यकर्ताओं तक एक खुशखबरी की तरह पहुंचा है। ऐसे फैसले कम होते हैं, पर जब होते हैं, तब लोकतंत्र और उसकी जमीनी राजनीति के प्रति आम लोगों का भरोसा बढ़ता है। इससे लोकतंत्र भी मजबूत होता है और अपने वास्तविक एवं आदर्श स्वरूप को आकार देने का पात्र बनता है। मोदी ने अपने नाम पर प्रादेशिक चुनाव लड़कर एवं जीतकर एक नयी प्रकार की राजनीति को विकसित करने का धरातल तैयार कर दिया है। इसी का परिणाम है कि राजस्थान की राजनीति में अब पीढ़ी परिवर्तन का बिगुल बज गया है। राजस्थान में अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे बारी-बारी सत्ता संभालते आ रहे थे और सत्ता छोड़ने को तैयार नहीं थे, ऐसे में उनको निराशा हाथ लगी है। अब व्यक्तिवादी राजनीति का युग समाप्ति की ओर अग्रसर है, यह भारत में राजनीति को अधिक स्वच्छ, आदर्श एवं दमदार बनायेगा।

इस बार के चुनाव प्रचार के दौरान ही यह साफ हो गया था कि जिस व्यक्ति को भी मोदी का आशीर्वाद प्राप्त

होगा और जिसे नवनिर्वाचित विधायक पसन्द करेंगे वही मुख्यमन्त्री होगा। भाजपा ने ये चुनाव प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी का चेहरा आगे रख कर लड़े थे और स्वयं मोदी ने अपनी गारंटी देकर लोगों से वोट मांगे थे। तीनों मे से किसी एक राज्य में भी संभावित मुख्यमन्त्री का चेहरा रखकर मतदाताओं को लुभाने की कोशिश नहीं की गई थी। इससे चुनाव प्रचार के दौरान ही यह साफ हो गया था कि इस बार मुख्यमंत्री के नाम न केवल चौंकायेंगे बल्कि सुखद अहसास का सबब भी बनेंगे। राजस्थान में इसके कहीं कोई आसार नहीं दिख रहे थे कि पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री बन सकते हैं। वैसे तो भाजपा इस तरह के चकित करने वाले फैसले पहले भी करती रही है, लेकिन इस बार उसने कुछ ज्यादा ही चौंकाने एवं चमत्कृत करने वाले फैसले लिए।

भाजपा ने इन तीनों राज्यों की कमान केवल नए चेहरों को ही नहीं थमाई, बल्कि उन नेताओं को मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री बनाया, जो अपेक्षाकृत युवा हैं और पार्टी की विचारधारा से गहरे से जुड़े रहने के साथ जमीनी स्तर पर काम करते रहे हैं। महिला नेतृत्व को भी आगे लाया गया है। ऐसे नेताओं को आगे करके भाजपा ने यही संदेश दिया कि वह एक ऐसा दल है, जिसके सामान्य कार्यकर्ता भी अपनी मेहनत और लगन से उच्च पद पर पहुंच सकते हैं। ऐसा कोई संदेश न तो परिवारवाद को प्रश्रय देने वाली कांग्रेस दे सकने में समर्थ है और न ही क्षेत्रीय दल। अनेक नये प्रयोगों के माध्यम से भाजपा खुद को मजबूत बना रही है एवं राजनीति की विसंगतियों एवं विडम्बना को दूर करने की गाथा भी लिख रही है। उसने इन तीनों राज्यों में मुख्यमंत्री और उप-मुख्यमंत्रियों के चयन में समाज के विभिन्न वर्गों की आकांक्षाओं का भी ध्यान रखा। इन तीनों राज्यों में मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्रियों के चेहरों के जरिये भाजपा ने जिस तरह अपने सामाजिक समीकरण मजबूत किए, उससे उसके विरोधियों के इस तरह के आरोपों की हवा निकल गई कि वह अमुक अमुक वर्ग की उपेक्षा करती है। दलित, आदिवासी, ओबीसी और सामान्य वर्ग के नेताओं को उचित प्रोत्साहन देकर भाजपा ने यह और अधिक अच्छे से रेखांकित किया कि वह समाज के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व करती है। भाजपा न केवल मतदाताओं के दिलों को जीतने के मामले में अन्य दलों से कहीं अधिक आगे नजर आने लगी है, बल्कि नेताओं की नई पीढ़ी को तैयार करने और उन्हें अवसर देने के मामले में भी उसने नई लकीरें खींची है। स्पष्ट है कि इससे उसके सामान्य कार्यकर्ताओं में उत्साह का कहीं अधिक संचार हुआ है और मतदाता भी उत्साहित एवं हर्षित दिख रहा है। जहां राजनीति दलों के नेताओं एवं मतदाताओं की निष्ठा का समन्वय नहीं होता, वहां उनकी मानसिकता में या तो दब्बुपन, कायरता, हीनता, भय, तनाव पैदा हो जाती है या फिर वे अति लापरवाह, निस्संकोच, मुंहफट, ढीठ हो जाते है, ऐसी स्थितियों में असंतोष, विरोध, विद्रोह ही पनपते हैं। नरेन्द्र मोदी के साथ अमित शाह ने भाजपा के जमीनी कार्यकर्ताओं को पिछले कुछ वर्षों में यही संदेश दिया है कि वे पार्टी की मजबूती के लिए बूथ लेवल पर मेहनत करेंगे तो समय आने पर उनको उनका मेहनताना दिया जाएगा। भले ही वह विष्णुदेव साय जैसा जमीनी कार्यकर्ता हों। अमित शाह ने चुनाव प्रचार के दौरान कहा भी था, विष्णुदेवजी हमारे अनुभवी कार्यकर्ता हैं, नेता हैं, सांसद रहे, विधायक रहे, प्रदेश अध्यक्ष रहे। एक अनुभवी नेता को भाजपा आपके सामने लाई है। आप इनको विधायक बना दो, उनको बड़ा आदमी बनाने का काम हम करेंगे।' मुख्यमंत्री बनाकर अमित शाह ने सचमुच उन्हें बड़ा आदमी बना दिया है। इसी तरह की सोच की वजह है कि भाजपा केंद्र में भी 2014 से लगातार सत्ता में बनी हुई है और राज्य स्तर पर भी अपनी धमक दिखा रही है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में सीएम और डिप्टी सीएम पद के लिए चुने गए नए नाम 2024 की रणनीति के तौर पर भी देखे जा रहे हैं। भाजपा को सत्ता में बनाए रखने के लिए मोदी-शाह फॉर्मूला एकदम साफ है कि उसके नेताओं की साफ-सुथरी छवि होनी चाहिए, आरएसएस से संबंध होना चाहिए, युवाओं को आगे लाने की कोशिश होनी चाहिए, लीडरशिप में नई पीढ़ी को उतारना मकसद हो, सीएम और 2 डिप्टी सीएम फॉर्मूला हिट है एवं जातियों का समान प्रतिनिधित्व होना चाहिए। ये वो फॉर्मूला है, जिसके दम पर भाजपा राज्यों में अपनी पकड़ बनाकर रखती है और केंद्र में जीत के लिए रास्ता साफ करती है।

महंगी क्रीम की जगह स्किन पर रोज लगाएं बस ये एक चीज

मौसम बदलने के साथ ही स्किन से जुड़ी कई सारी दिक्कतें भी शुरु हो जाती हैं। ऐसे में आपको त्वचा का खास ख्याल रखना चाहिए। महंगे प्रोडक्ट्स में artificial ingredients होते हैं। वो आपकी त्वचा को अंदर से moisturize नहीं करते। आपको चाहिए ऐसे कुछ जो आपकी त्वचा को सर्दियों में अंदर से हील और moisturize करे। इसके लिए आप अपने किचन में पड़ी चीज का इस्तेमाल कर सकती हैं। ये किसी महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट से बेहतर काम करेगी। आइए आपको बताते हैं इसके बारे में। त्वचा पर रोज दही लगाने से डीप क्लींजिंग होती है और स्किन नेचुरली मॉश्चराइज भी होती है। इसमें मौजूद विटामिन सी एक्ने और पिंपल से भी राहत दिलाता है। साथ ही, इसमें मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा की गहराई से सफाई करता है।

स्किन पर ऐसे करें दही का इस्तेमाल

शहद के साथ

2 चम्मच दही लेकर इसमें 1 चम्मच शहद मिलाएं। इसे 5 से 10 मिनट के लिए फेस पर लगाएं। फिर सादे पानी से चेहरे को धो लें।

दही- नींबू

2 चम्मच दही में 3 से 4 बूंद नींबू का रस मिलाएं। इस पेस्ट को 10 से मिनट के लिए फेस पर लगाएं। फिर हल्के गुनगुने पानी से चेहरे को साफ करें।

संतरे का छिलके

संतरे के छिलकों के पाउडर में दही मिक्स करके लगाने से स्किन की अच्छे से सफाई होती है। 10 मिनट लगाकर रखने के बाद सादे पानी से फेसवॉश करें।

दही- हल्दी

आप चेहरे पर हल्दी और दही को मिक्स करके लगा सकते हैं। इसमें एंटी एजिंग गुण पाए जाते हैं, जो त्वचा में कसावट लाते हैं। साथ ही स्किन मुलायम भी होती है।

बेसन के साथ भी होगा चमत्कार

सबसे पहले 2 चम्मच दही में 1 चम्मच बेसन मिलाएं। इस पेस्ट को अपने चेहरे पर 10 मिनट के लिए लगा लें। इससे चेहरे पर अंदर से नेचुरल ग्लो आएगा।

मॉम से लेकर बॉयफ्रेंड जींस तक ने इस साल जीता लड़कियों का दिल

एक समय था, जब पैंट सिर्फ पुरुष पहना करते थे लेकिन बदलते वक्त के साथ महिलाओं ने भी इसे पहनना शुरू कर दिया। बदलते वक्त में पैंट की जगह जींस ने ले ली। जींस एक ऐसा परिधान है, जिसे पहनना काफी आरामदायक रहता है। ऐसे में महिलाएं इसे घर से लेकर ऑफिस तक में पहनती हैं।

जैसे-जैसे समय बदल रहा है, वैसे-वैसे जींस के फैशन में भी बदलाव आ रहा है। अब जब दिसंबर का महीना चल रहा है तो अब कुछ ही दिनों में साल खत्म होने जाएगा। लोग बड़ी बेसब्री के साथ साल खत्म होने का इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि नया साल अपने साथ नई उम्मीदें लेकर आता है।

जब साल बदलता है, तो उसके साथ कई चीजें बदलती रहती हैं। अगर बात करें इस साल के ट्रेंड की तो इस साल मॉम जींस से लेकर प्लाजो जींस तक ने लड़कियों को खूब लुभाया। आज के लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही जींस के बारे में बताने जा रहे हैं।

बॉयफ्रेंड जींस

ऊपर से लेकर नीचे तक इस जींस का शेप एक जैसा होता है। ये जींस काफी ज्यादा कंफर्टेबल होती है। ऐसे में इस साल भी लड़कियों ने इसे बेहद मन से और आराम से पहना।

प्लाजो जींस

जीस तरह से कुर्ते के साथ प्लाजो पहनना लड़कियों को आरामदायक लगता है, ठीक उसी प्रकार से प्लाजो जींस भी आजकल काफी चलन में है। को-ऑर्ड सेट मे इस तरह की प्लाजो जींस देखने को मिल जाती है।

मॉम जींस

ये जींस बैगी स्टाइल में बनी होती है। ऐसे में ये जींस बीते कुछ साल से लड़कियों और महिलाओं की पसंद बनी हुई है। ये टीशर्ट के साथ बेहद कमाल की लगती है। इसी के चलते लड़कियों ने इस साल भी इसे अपनी प्राथमिकता में शामिल रखा।

टाइट फिटिंग जींस

ग्लैमर दिखने के लिए ऐसी जींस काफी परफेक्ट रहती है। ऐसे में इस साल ये जींस बहुत सी अभिनेत्रियों की पहली पसंद बनीं। इसका लुक भी देखने में बेहद कमाल का लगता है। इसमें बॉडी का कर्व एकदम अलग दिखाई देता है।

डिस्ट्रेस्ड जींस

इस तरह की जींस लड़कियों को काफी पसंद आती है। ऐसी जींस में कई जगह कट लगे होते हैं और इस कट में धागे निकले होते हैं। ये क्रॉप टॉप के साथ काफी क्लासी लगती है। ऐसे में इसे लड़कियों ने इस साल काफी ज्यादा पहना।

बूट कट जींस

ये जींस काफी आरामदायक होती है। ऐसे में इस साल लड़कियों ने इसे काफी मन से पहना। इसका लुक काफी हद तक बेलबॉटम की तरह ही रहता है। इस साल कई सिलेब्स ने इस जींस को अपनी प्राथमिकता में रखा।

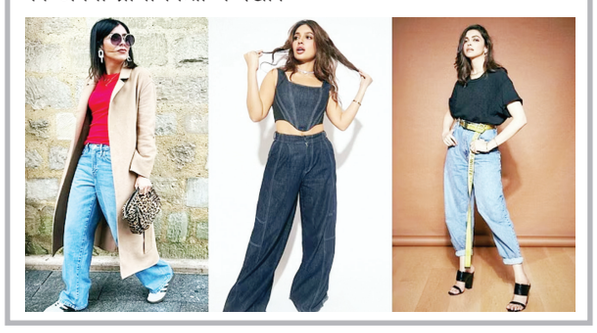

फैशन में बॉलीवुड एक्ट्रेस को मात देती है तृप्ति डिमरी

बॉलीवुड एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी इन दिनों फिल्म %एनिमल% के चलते खूब सुर्खियां बटौर रही हैं। इस फिल्म में फैंस उनकी एक्टिंग के दीवाने हो गए हैं लेकिन तृप्ति अपनी दमदार एक्टिंग के अलावा फैशन स्टेटमेंट के चलते भी फैंस से काफी सुर्खियां लेती हैं। अपनी यूनिक और ट्रैंडी फैशन के जरिए वह कई सारी बीटाउन एक्ट्रेसेज को मात देती हैं। आज आपको एक्ट्रेस के कुछ ऐसे स्टाइलिश आउटफिट्स दिखाते हैं जिन्हें आप इस वेडिंग सीजन ट्राई कर सकती हैं।

अगर आप पर्ल लवर हैं तो तृप्ति की ऐसी पर्ल वाला आउटफिट पहन सकती हैं। व्हाइट सिल्वर वर्क लहंगा आप चाहें तो इस वेडिंग सीजन पहन सकती हैं। गले में नेकपीस, कानों में ईयररिंग्स, डॉर्क मेकअप, बालों में पॉनी और मैचिंग दुपट्टा कैरी करके आप गॉर्जियस लुक इस वेडिंग सीजन ट्राई कर सकती हैं।

वेस्टर्न डालने का अगर आप सोच रही हैं तो गोल्डन कलर का यह गाउन एकदम परफेक्ट रहेगा। बालों में लूज बन, कानों में ईयररिंग्स पहनकर अपना ऑवरऑल लुक कंप्लीट कर सकती हैं।

एक्ट्रेस की यह लाइट वेट फ्लोरल फ्रॉक भी एकदम परफेक्ट रहेगी। बालों को खुला छोड़, हैवी ईयररिंग्स और डॉर्क मेकअप के आप किसी भी वेडिंग फंक्शन में ऐसा लुक ट्राई कर सकती हैं।

अगर आप साड़ी पहनने की शौकीन है तो तृप्ति की यह साड़ी आपके लिए परफेक्ट ऑप्शन साबित होगी। बालों में बन, कानों में ईयररिंग्स, लाइट मेकअप के साथ वेडिंग में आप सिंपल सॉबर दिख सकती हैं।

विंटर वेडिंग में आप अगर आप शॉर्ट्स डालना चाहती हैं तो एक्ट्रेस का यह क्रीम कलर लॉन्ग कॉट परफेक्ट रहेगा। कानों में छोटे-छोटे ईयररिंग्स, लाइट मेकअप के साथ अपना लुक कंप्लीट कर सकती हैं।

एक्ट्रेस का ऐसा बॉडीकॉन गाउन आप वेडिंग सीजन में ट्राई कर सकती हैं। कानों में छोटे-छोटे ईयररिंग्स, बालों का खुला छोड़ रिसेप्शन के लिए परफेक्ट लुक रहेगा।

तृप्ति डिमरी का यह वेलवेट वाला सूट आप चाहें तो पहन सकती हैं। साथ में कानों मे मैचिंग ईयररिंग्स आपके लुक पर चार-चांद लगा देंगे

इस सीजन के ट्रेंडी फिंगर रिंग्स जरूर करें ट्राई

ज्वैलरी के बिना महिला की लुक अधूरी सी लगती है। भारतीय महिला की गहनों वाली तिजोरी में आपको ईयररिंग्स-रिंग्स, कंगन और नेकलेस की अच्छी खासी कलैक्शन मिल जाएगी। रिंग्स भी उनकी ज्वैलरी का खास हिस्सा हैं क्योंकि हाथों की खूबसूरती को डिफाइन करने का काम रिंग्स करती हैं। बस जरूरत होती हैं सही अंगूठी का चुनाव करने की। कैजुअल-पार्टीवियर, कॉकेटल और ब्राइडल स्टेटमेंट रिंग्स, आपको आकेशन और पसंद के हिसाब से बाजार से आसानी से मिल जाएगी। चलिए आज रिंग्स की वैरायिटीज पर ही बात करते हैं जो इस समय काफी ट्रैंड में हैं।

फुल फिंगर रिंग्स

फुल फिंगर रिंग आजकल बहुत ज्यादा ट्रेंड में है। ये रिंग्स बॉलीवुड एक्ट्रेस की तो फेवरेट हैं। सोनाक्षी सिंह को अकसर ये रिंग्स पहने देखा गया है। इन रिंग्स का एक सेट होता है, जिसमें दोनों हाथों के लिए 10 रिंग्स होती हैं। किसी रिंग को उंगली के बीच में पहन जाता है तो किसी को उंगली की शुरुआत में। इस रिंग को आप इंडो-वैस्टर्न या वैस्टर्न ड्रेस के साथ पहन सकती हैं। ये रिंग्स ज्यादातर पतली और लंबी उंगलियों पर अच्छी लगती हैं। वहीं अगर लंबे नाखूनों पर नेलआर्ट करवाया हो तो और भी ज्यादा क्लासी लुक देती है।

डायमंड रिंग

डायमंड रिंग, लड़कियों की पहली पसंद है। हर तरह की ड्रेस के साथ ये अच्छी लगती है। बाजार में आपको हर कलर के डायमंड वाली रिंग्स मिल जाएगी, लेकिन सबसे बेस्ट और डायमंड रंगहीन हीरा ही होता है। जो डायमंड जितना क्लियर दिखता है, उतना ही महंगा भी होता है। ये सारे राउंड कट, प्रिंसेस कट, कुशन कट, एमरेल्ड कट जैसे कई सारे शेप्स में मिलते हैं।

चेन फिंगर रिंग

शादी या किसी इवेंट में हाथों को ज्वैलरी से सजाना चाहती हैं चेन फिंगर रिंग बेस्ट ऑप्शन है। इसमें रिंग और ब्रेसलेट में चेन अटैच होती है। ये आपके हाथों को आकर्षक लुक देगा। चेन फिंगर रिंग एक से ज्यादा उंगलियों पर पहनी जा सकती है। इसमें एक या उससे ज्यादा रिंग चैन की मदद से एक- दूसरे में जकड़े होते हैं। ये रेगुलर वियर रिंग्स नहीं है। इन्हें सिर्फ खास मौकों पर ही पहना जा सकता है।

कॉकटेल या स्टेंटमेंट ब्राइडल रिंग

अगर आप ज्यादा ज्वैलरी पहने बिना ही फैशनेबल दिखना चाहती हैं तो कॉकटेल रिंग को ट्राई करें। बिग और बोल्ड साइज की ये रिंग आपको बहुत स्टाइलिश लुक देगी। इंडियन और वेस्टर्न, दोनों ही तरह के आउटफिट्स के साथ भी इसे पहना जा सकता हैं। सिर्फ 1 रिंग ही इतनी यूनिक होती हैं कि गेटअप अलग ही दिखती हैं।

फोर फिंगर रिंग

अगर आपको एक से ज्यादा उंगलियों में रिंग डालकर अपनी हाथों की शोभा बढ़ानी है तो फोर फिंगर रिंग ट्राई करें। ये चार अलग- अलग डिजाइन में होती हैं, जिससे देखकर ऐसा नहीं लगता है कि आपस में जुड़ी हुई हैं। ये रिंग्स भी रेगुलर नहीं है। ये खास मौकों पर ही पहनी अच्छी लगती है।

नेल आर्ट रिंग

अगर आपके पास नेल आर्ट का वक्त नहीं है तो नेल आर्ट रिंग ट्राई कर सकते है। इसे रिंग को उंगली के नाखूनों के ऊपर पहना जाता है। वेस्टर्न वियर के साथ पहनने के लिए नियोन या फिर ब्लैक ऐंड व्हाइट शेड की नेल आर्ट रिंग खरीदें और इंडियन आउटफिट के साथ पहनने के लिए ज्वैल्ड नेल आर्ट रिंग चुनें। ये आपको काफी हट के लुक देगा।

अपनी शादी में राजकुमारी की तरह दिखने के लिए हर लड़कियां पार्लर में त्वचा और बालों से संबंधित कई ट्रीटमेंट लेती हैं। ऐसे में अगर आपकी भी शादी होने वाली है। तो शहद के इस्तेमाल से बालों को नेचुरली सिल्की-स्मूद बना सकती हैं।

दुल्हन के लिए बेस्ट हैं ये 5 नेचुरल हेयर मास्क, एक बार लगाने से बालों पर दिखने लगेगा असर

नवंबर और दिसंबर के महीने में शादियों का सीजन शुरू हो जाता है। हर लड़का और लड़की शादी के पलों को खास बनाने के लिए कई तरीके अपनाते हैं। क्योंकि वह उनकी जिंदगी का सबसे अहम दिन होता है। जिसके कारण लोग महीनों पहले से शादी की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। अपनी शादी के दिन हर लड़की सबसे अलग और खूबसूरत दिखना चाहती है। इसलिए लड़कियां पार्लर में त्वचा और बालों से संबंधित कई ट्रीटमेंट लेती हैं।

हांलाकि ज्यादा समय तक बालों पर होने वाले कैमिकल ट्रीटमेंट का असर नहीं टिकता है। ट्रीटमेंट का असर खत्म होने के बाद आपके बाल अधिक रूखे हो सकते हैं। ऐसे में अगर आपकी भी शादी होने वाली है। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको शहद के इस्तेमाल से बालों को नेचुरली सिल्की-स्मूद बनाने के बारे में बताने जा रहे हैं।

शहद और दही

अपने बालों को नेचुरली हेल्दी और सिल्की बनाने के लिए आप दही के साथ शहद का इस्तेमाल कर सकती हैं। बता दें कि शहद और दही हमारे बालों के लिए फायदेमंद होता है। इसके लिए आप 3 चम्मच शहद में एक कप दही मिलाकर अच्छे से इसके फेंट ले। फिर इस पेस्ट को 30-40 मिनट के लिए बालों पर अप्लाई कर लें। फिर बालों को नॉर्मल पानी से धो लें। इस हेयर मास्क से आपके बाल नेचुरली सिल्की और शाइनी हो जाएंगी।

शहद और कोकोनट ऑयल

शहद में विटामिन्स और मिनरल्स पाया जाता है। जो हमारे बालों को मजबूती देने का काम करता है और बाल को झड़ने से रोकने में मदद करता है। सर्दियों के मौसम में बालों को स्मूद और सिल्की बनाने के लिए शहद और कोकोनट ऑयल का इस्तेमाल करें। इस हेयर मास्क को बनाने के लिए 2 चम्मच शहद में एक चम्मच नारियल का तेल मिलाकर स्कैल्प पर मसाज करें। फिर 30-40 मिनट तक इसे बालों में लगाए रखने के बाद नॉर्मल पानी से बाल धो लें।

शहद और शैंपू

आप शैंपू के साथ शहद को मिलाकर अपने बालों में अप्लाई कर सकती हैं। इससे हेयर मास्क को बालों में लगाने से आपके बाल सॉफ्ट और शाइनी नजर आएंगे। इसके लिए आप शैंपू और शहद को बराबर मात्रा में मिला लें। फिर इसे अच्छे से मिक्स कर बालों में अप्लाई करेंगे। इस हेयर मास्क से आपके बाल पहले से ज्यादा शाइनी और सिल्की नजर आएंगे।

एलोवेरा और शहद

अगर आप एलोवेरा के साथ शहद का इस्तेमाल करती हैं, तो इससे आपके बाल सिल्की और स्मूद बनते हैं। इस हेयर मास्क को बनाने के लिए 2 चम्मच शहद में 4 चम्मच एलोवेरा जेल मिला लें। फिर इस हेयर मास्क को 30-40 मिनट के लिए बालों में लगाएं। इससे आपको फर्क साफ नजर आएगा।

अलसी और शहद

बालों को नेचुरल तरीके से सिल्की-स्मूद बनाने के लिए आप शहद के साथ अलसी का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए आप 3 चम्मच अलसी के बीजों को रातभर के लिए भिगो लें। फिर अगली सुबह अलसी के बीज पीसकर इसका पेस्ट बना लें। अब अलसी के पेस्ट में 2 चम्मच शहद मिलाकर हेयर मास्क बना ले। इसको बालों में 30-40 मिनट के लिए बालों में अप्लाई करें।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

भजनलाल शर्मा ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

जयपुर। राजस्थान के नए मुख्यमंत्री के तौर पर

भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को पद और गोपनीयता की शपथ ले ली है। राज्यपाल कलराज मिश्रा ने उन्हें पद और गोपनीयता के शपथ दिलाई। इसके साथ ही उपमुख्यमंत्री के तौर पर दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा ने भी शपथ ली है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। आपको बता दें कि हाल में ही संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने राज्य में प्रचंड जीत हासिल की है। इसके बाद भाजपा विधायक दल की बैठक में पहले बार के विधायक चुने गए भजन लाल शर्मा के नाम पर सहमति बनी और उन्हें पार्टी की ओर से राज्य की कमान सौंप गई। दिलचस्प बात यह भी है कि आज भजनलाल का जन्मदिन है और जन्मदिन के अवसर पर उन्हें बड़ी खुशी मिली है। जन्मदिन के अवसर पर उन्होंने एक ऐसे राज्य की कमान संभाली है जो राजनीतिक दृष्टिकोण से भाजपा के लिए बेहद ही महत्वपूर्ण है।

गृह मंत्री संसद में चुप हैं और टीवी पर साक्षात्कार दे रहे

नई दिल्ली। कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन

खरगे ने संसद की सुरक्षा में चूक मामले पर गृह मंत्री अमित शाह की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने पूछा कि संसद की सुरक्षा में चूक मुद्दे पर गृह मंत्री कोई बयान क्यों नहीं दे रहे हैं? जबकि वह टेलिविजन में साक्षात्कार जरूर दे रहे हैं। खरगे ने यह भी पूछा कि क्या इस मुद्दे पर सवाल करने वाले सांसदों को सस्पेंड करना न्याय है? कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पूछा, संसद की सुरक्षा में चूक मामले पर विपक्षी सांसदों को अवैध तरीके से निलंबित करना कहां का न्याय है? उन्होंने कहा कि विभिन्न पार्टियों के नेताओं ने दोनों सदनों में अपनी संयुक्त रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए सुबह मुलाकात की थी। संसद की सुरक्षा में चूक को लेकर सदन में हंगामा करने पर गुरुवार को सांसदों को निलंबित कर दिया गया। खरगे ने कहा, गृह मंत्री टीवी पर साक्षात्कार दे सकते हैं, लेकिन वह सदन में हुए इस मुद्दे पर बयान देने के लिए तैयार नहीं हैं।

नीतीश कुमार की वाराणसी रैली रद्द

पटना। जनता दल (यूनाइटेड) ने कहा कि

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की उत्तर प्रदेश के रोहनिया विधानसभा क्षेत्र में 24 दिसंबर की सार्वजनिक रैली रद्द कर दी गई। इसके साथ ही उनकी ओर से दावा किया गया कि स्थानीय अधिकारियों ने बैठक के लिए अनुमति देने से इनकार कर दिया। रोहनिया विधानसभा क्षेत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है। इसी को लेकर अब सुशील मोदी की ओर से पलटवार किया गया है। भाजपा नेता ने कहा कि सच तो यह है कि उन्होंने रैली की अनुमति लेने के लिए लिखित आवेदन भी नहीं दिया। इसके अलावा वाराणसी अपना दल और बीजेपी का गढ़ होने के कारण उन्हें इस रैली में ज्यादा समर्थन की उम्मीद नहीं थी। सुशील मोदी ने साफ तौर पर कहा कि रैली के बारे में न तो कलेक्टर और न ही एसपी को कोई जानकारी थी। उन्होंने अपनी रैली स्थगित कर दी और अब वे यूपी के सीएम योगी पर आरोप लगा रहे हैं।

महुआ मोइत्रा को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं, 3 तक टली सुनवाई

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को

लोकसभा से निष्कासन के खिलाफ टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा की याचिका पर सुनवाई 3 जनवरी, 2024 के लिए स्थगित कर दी। लोकसभा से सांसद के रूप में उन्हें हटाने के प्रस्ताव के पक्ष में निचले सदन में मतदान के बाद शुक्रवार (8 दिसंबर) को उन्हें सदन से निष्कासित कर दिया गया। उनकी याचिका जस्टिस संजीव खन्ना और एसवीएन भट्टी की बेंच के सामने रखी गई। हालाँकि, सुनवाई के दौरान, न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि उन्हें सुबह फ़ाइल मिली और इसे पढ़ने के लिए और समय चाहिए और इसलिए मामले को 3 जनवरी, 2024 को फिर से सूचीबद्ध करने के लिए कहा। तृणमूल कांग्रेस नेता महुआ मोइत्रा ने लोकसभा से अपने निष्कासन को चुनौती देने वाली याचिका दायर करने के कुछ दिनों बाद बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से तत्काल सुनवाई की मांग की थी। वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने सुनवाई जल्द करने की मांग की थी।

बीआरएस प्रमुख केसीआर को मिली अस्पताल से छुट्टी

हैदराबाद। तेलंगाना के पूर्व सीएम और

बीआरएस पार्टी के राष्ट्रीय नेता के चंद्रशेखर राव को शुक्रवार को हैदराबाद के यशोदा अस्पताल से छुट्टी मिल गई। 7 दिसंबर को एर्रावल्ली में अपने फार्महाउस में गिरने के बाद केसीआर की बाएं कूल्हे की रिप्लेसमेंट सर्जरी की गई थी। विधानसभा में बीआरएस नेताओं द्वारा विपक्ष के नेता के रूप में चुने जाने के एक घंटे बाद केसीआर की सर्जरी की गई थी। शुक्रवार को केसीआर के अस्पताल छोड़ने का एक वीडियो भी जारी किया गया था। शुक्रवार को हुई सर्जरी को मेडिकल टीम ने सफल बताया है। बताया गया है कि राव चिकित्सकीय रूप से स्थिर स्थिति में हैं, दर्द से मुक्त हैं और आराम कर रहे हैं। डॉक्टरों की एक बहु-विषयक टीम द्वारा निरंतर मूल्यांकन और निगरानी की जा रही है। यशोदा अस्पताल के अनुसार, उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री के ठीक होने में छह से आठ सप्ताह का समय लगने की उम्मीद है।

लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही सोमवार तक स्थगित

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र की 10वीं बैठक शुक्रवार सुबह 11 बजे शुरू हुई। बैठक शुरू होते ही विपक्ष ने संसद के दोनों सदनों में भारी हंगामा किया। शुक्रवार को सत्र शुरू होने के कुछ ही मिनटों के भीतर लोकसभा और राज्यसभा को पहले दोपहर 2 बजे और फिर सोमवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया। उच्च सदन को हंगामे का सामना करना पड़ा और बाद में विधायी कागजात मेज पर रखे जाने के तुरंत बाद स्थगित कर दिया गया। तीन केंद्रीय मंत्रियों ने 262वें सत्र के शेष भाग के लिए सरकारी कामकाज के संबंध में अलग-अलग बयान दिए और सभापति जगदीप धनखड़ ने 23 नोटिसों को अस्वीकार कर दिया। विपक्षी सांसद नियम 267 के तहत 13 दिसंबर के सुरक्षा उल्लंघन पर चर्चा के लिए दिन भर के लिए कामकाज स्थगित करने की मांग कर रहे हैं। कुछ सदस्यों के हाथों में पोस्टर भी थे। एक पोस्टर पर संसद में सुरक्षा के मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग लिखी हुई थी। कुछ सदस्य गृहमंत्री शाह के इस्तीफे की मांग भी कर रहे थे। कुछ विपक्षी सदस्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद प्रताप सिम्हा के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग कर रहे थे।

सभापति ने कहा कि उन्हें नियम 267 के तहत इस मुद्दे पर 23 नोटिस मिले हैं और उन्होंने सदन को (लोकसभा में हुई घटना के) तथ्यों से अवगत कराया है, मामले की जांच चल रही है और इसे तार्किक निष्कर्ष तक ले जाया जाएगा। इसके साथ ही विपक्षी सदस्यों ने हंगामा करना शुरू कर दिया और सभापति से सदन में विपक्ष के नेता को बयान देने की अनुमति देने का आग्रह किया। सूचीबद्ध कामकाज निलंबित कर तत्काल चर्चा कराने की मांग सभापति जगदीप धनखड़ की ओर से खारिज किए जाने के बाद विपक्षी सदस्यों ने शुक्रवार को राज्यसभा में हंगामा किया, जिसकी वजह से सदन की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे की वजह से उच्च सदन में न तो शून्यकाल, ना ही प्रश्नकाल और ना ही कोई महत्वपूर्ण विधायी कामकाज हो सका। दोपहर दो बजे उच्च सदन की बैठक दोबारा आरंभ होते ही विपक्षी सदस्य अपने स्थान पर खड़े हो गए और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे को बोलने देने का अनुरोध किया। इसी दौरान नेता सदन पीयूष गोयल भी खड़े हो गए और कुछ बोलना चाहा। इसी समय सत्ता पक्ष और विपक्ष की ओर से हंगामा और शोर आरंभ हो गया। धनखड़ ने दोनों पक्षों से शांत होने की गुजारिश की और कहा कि वह सदन में कुछ घोषणा करना चाहते हैं। हालांकि हंगामा एवं

शोरगुल जारी रहा और उन्होंने कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले शुक्रवार सुबह संसद भवन के गेट पर लंबी कतारें देखी गईं। सुरक्षा उल्लंघन की घटना के लगभग दो दिन बाद, सुरक्षाकर्मियों को आगंतुकों के पहचान पत्र और बैग की जांच करते देखा गया।

निलंबित सांसदों ने संसद परिसर में प्रदर्शन किया

संसद के शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किए गए विपक्षी सांसदों ने शुक्रवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। इन सांसदों ने हाथों में तख्तियां लेकर संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष और संसद भवन के मकर द्वार के निकट धरना दिया। मौजूदा सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित लोकसभा सदस्य और कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने कहा कि हमारी मांग रही है कि गृह मंत्री अमित शाह को सदन में बयान देना चाहिए। वह सदन में नहीं आ रहे हैं। उन्हें वक्तव्य देना चाहिए। वह ऐसा नहीं कर रहे हैं क्योंकि वह संसद में आने से डरे हुए हैं। बता दें कि संसद की सुरक्षा में चूक के मुद्दे पर हंगामे के दौरान अशोभनीय आचरण तथा आसन की अवमानना करने को लेकर विपक्षी दलों के कुल 14 सदस्यों को मौजूदा संसद सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया। निलंबित किए गए सांसदों में लोकसभा के 13 सदस्य शामिल हैं। राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओब्रायन को निलंबित किया गया है। लोकसभा में कांग्रेस के वीके श्रीकंदन, बेनी बेहनन, मोहम्मद जावेद, मणिकम टैगोर, टी एन प्रतापन, हिबी इडेन, जोतिमणि, रम्या हरिदास और डीन कुरियाकोस, द्रमुक की कनिमोई, माकपा के एस वेंकटेशन और पी आर नटराजन तथा भाकपा के के। सुब्बारायन का निलंबन हुआ है।

विपक्षी सांसदों के निलंबन को लेकर जोरदार हंगामा

संसद में सुरक्षा चूक के मुद्दे पर हंगामा करने वाले विपक्षी सांसदों के निलंबन का मुद्दा गर्माता जा रहा है। आज भी

दोनों सदनों की कार्यवाही शुरू होते ही भारी हंगामा देखने को मिला जिसके चलते कार्यवाही को दो बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का आरोप है कि विपक्षी सांसदों को गलत तरीके से निलंबित किया गया है। आज सत्र की शुरुआत से पहले निलंबित सांसदों सहित विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में गांधी प्रतिमा के सामने विरोध प्रदर्शन भी किया। सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद मीडिया से बातचीत में केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा, लोकसभा अध्यक्ष ने सर्वदलीय बैठक बुलाकर जो भी आदेश दिए हैं, उस आदेश का सरकार पालन कर रही है...मामला कोर्ट में है, उच्च स्तरीय जांच चल रही है। यह संवेदनशील मामला है और उन्हें (विपक्ष को) इसे समझना चाहिए। वहीं इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा है कि सवाल पूछना हमारा फर्ज़ है। सरकार आम लोगों को भटकाने में जुटी हुई है। अगर चर्चा होती तो आसमान तो नहीं टूट पड़ता। उन्होंने सवाल किया कि खुफिया विभाग किसके पास है? उन्होंने कहा कि खुफिया तंत्र गृह मंत्रालय के पास होता है। हम सिर्फ जानकारी लेना चाहते थे...जिन लोगों की ये जिम्मेदारी है हम उनसे तो पूछेंगे ही की क्या हुआ? वहीं शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, संसद में जिस प्रकार से हमला हुआ इस पर दोनों सदनों में चर्चा होनी चाहिए। सुरक्षा में सेंध कैसे हुई? आरोपी धुंए वाली सामग्री लेकर कैसे आए। अगर धुंआ ज़हरीला होता तो कितने लोगों को समस्या हो सकती थी। हम चाहते हैं कि इस पर चर्चा हो और गृह मंत्री बयान दें। वे बड़ी-बड़ी बातें करते हैं पर वे संसद की सुरक्षा भी नहीं कर पा रहे हैं।

जब तक गृह मंत्री शाह बयान नहीं देते संसद चलने की संभावना कम: कांग्रेस

नईदिल्ली। संसद में सुरक्षा चूक का मामला अब राजनीतिक रूप से गंभीर होता दिखाई दे रहा है। विपक्षी दल लगातार इस मामले को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग कर रहे हैं। दोनों ही सदनों में आज जबरदस्त तरीके से हंगामा हुआ जिसके बाद सदन के कार्यवाही को स्थगित करनी पड़ी। शीतकालीन सत्र में यह लगातार दूसरा दिन था जब दोनों सदनों के कार्यवाही नहीं हो सकी। इन सब के बीच कांग्रेस ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक गृह मंत्री अमित शाह पूरे मामले को लेकर बयान नहीं देते, संसद चलने की संभावना बेहद ही कम है।

कांग्रेस के जयराम रमेश ने कहा कि जब तक गृह मंत्री संसद के दोनों सदनों में आकर बयान नहीं देंगे, तब तक बहुत कम संभावना है कि संसद चलेगी। उन्होंने कहा कि शीतकालीन सत्र के अभी भी 4 दिन बचे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, इंडिया एलायंस के सभी फ्लोर नेताओं ने राज्यसभा के अध्यक्ष को इस मांग के बारे में सूचित किया है। गृह मंत्री को आना चाहिए, सदन में बोलना चाहिए, ऐसे सवाल होंगे जिनका उन्हें जवाब देना होगा। उसके बाद सदन की कार्यवाही चल सकेगी। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि जो लोग राष्ट्रीय सुरक्षा की बात कर रहे हैं, उनकी हैसियत संसद सत्र बुलाने की नहीं है। संसद पर दो बार हमला हो चुका है, दोनों बार बीजेपी सत्ता में थी। भारत की जनता बेरोजगारी और महंगाई से तंग आ चुकी है। सरकार कुछ नहीं कर रही है...संसद अब मजाक बन गई है, उन्होंने इसे ऐसा बना दिया है। सीपीआई सांसद बिनॉय विश्वम ने कहा कि हम गृह मंत्री से अनुरोध करते हैं कि कृपया संसद में आएं और जो कुछ भी कहना चाहते हैं उसे संसद को बताएं। उन्हें संसद और इसके माध्यम से भारत के लोगों को स्पष्टीकरण देना चाहिए। पिछले 2 दिन से हम पूछ रहे हैं- गृह मंत्री कहां हैं...चौथे-तीसरे दिन वो बयान देते हैं, जिससे पता चलता है कि इसमें गृह मंत्री, प्रधानमंत्री और पूरी बीजेपी का हाथ है प्रकरण। इसीलिए, एक भाजपा सांसद ने इस तरह की कार्रवाई को बढ़ावा दिया, उन्हीं के पास पर वे इमारत में दाखिल हुए।

कांग्रेस पर भड़के भाजपा सांसद निशिकांत दुबे

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शुक्रवार को पूछा कि विपक्षी नेता पीएम मोदी या गृह मंत्री अमित शाह से बयान लेने पर क्यों तुले हुए हैं जबकि सरकार लोकसभा की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार नहीं है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि लोकसभा की सुरक्षा सरकार की नहीं लोकसभा सचिवालय की जिम्मेदारी है, इस पर गृह मंत्री क्यों जवाब देंगे? भाजपा सांसद ने कहा कि लोकसभा में आज तीन अहम बिल पेश होने थे लेकिन कांग्रेस ने सदन नहीं चलने दिया। उन्होंने कहा कि 11 अप्रैल 1974 को रतनलाल नामक शख्स संसद के दर्शक दीर्घा में पिस्तौल लेकर पहुँच गया। भाजपा/ जनसंघ ने कभी भी लोकसभा अध्यक्ष का इस्तीफ़ा नहीं माँगा, क्योंकि संसद के पूरे भवन की सुरक्षा का ज़िम्मा केवल और केवल लोकसभा सचिवालय का है। कांग्रेसी व विपक्षी शर्म करो। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री व गृहमंत्री का तो ज़िक्र तक नहीं किया, क्योंकि संसद की सुरक्षा केवल लोकसभा सचिवालय का है। एक अन्य एक्स पोस्ट में उन्होंने लिखा कि 5 मई 1994 प्रेमपाल लोकसभा के दर्शक दीर्घा से कूदकर तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिंह राव तक चला गया, भाजपा ने लोकसभा अध्यक्ष का इस्तीफ़ा नहीं माँगा।

खेल
प्रमुख समाचार

इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच तीसरा टी20 मैच आज

ग्रेनेडा। तीसरे टी-20 मैच में वेस्टइंडीज का

मुकाबला 16 दिसंबर को नेशनल क्रिकेट स्टेडियम सेंट जॉर्ज, ग्रेनेडा में इंग्लैंड से होगा। मेजबान टीम पहले मैच से आत्मविश्वास से भरपूर है। इस मुकाबले में जीत घरेलू टीम के लिए सीरीज जीत पर मुहर लगा देगी, वहीं इंग्लैंड इस मैच में जीत के साथ सीरीज में जोरदार वापसी करना चाहेगा। दरअसल, इंग्लैंड की सफेद गेंद की समस्या पहले टी-20 मैच से ही जारी रही, जिसके कारण वे मंगलवार को केंसिंग्टन ओवल में पहले टी20 मैच में वेस्टइंडीज से चार विकेट से हार गए। इसके बाद सेंट जॉर्ज ग्रेनाडा में ब्रैंडन किंग की 82 रन की शानदार पारी के दम पर वेस्टइंडीज ने गुरुवार को दूसरा मैच 10 रन से जीतकर पांच मैचों की टी20 सीरीज में इंग्लैंड पर 2-0 की बढ़त बना ली है। नेशनल क्रिकेट स्टेडियम ग्रेनाडा की पिच बल्लेबाजों के लिए अच्छी पिच है, क्योंकि इस सतह पर गेंद आसानी से बल्ले पर आती है और बल्लेबाज अच्छे रन बना सकते हैं। यह मैदान बल्लेबाजी के लिए अनुकूल मैदान माना जाता है और इस मैदान पर चौके-छक्के आसानी से लगाए जा सकते हैं।

वेस्टइंडीज बनाम इंग्लैंड फुल स्क्वाड

वेस्टइंडीज टीम- रोवमैन पॉवेल (कप्तान), शाई होप (उप-कप्तान/विकेटकीपर), रोस्टन चेज़, मैथ्यू फोर्डे, शिम्रोन हेटमायर, जेसन होल्डर, अकील होसेन, अल्ज़ारी जोसेफ, ब्रैंडन किंग, काइल मेयर्स, गुडाकेश मोती, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), आंद्रे रसेल, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड।

इंग्लैंड टीम- जोस बटलर (कप्तान/विकेटकीपर), रेहान अहमद, मोइन अली, गस एटकिंसन, हैरी ब्रूक, सैम करन, बेन डकेट, विल जैक्स, लियाम लिविंगस्टोन, टाइमल मिल्स, आदिल राशिद, फिल साल्ट (विकेटकीपर) जोश टंग, रीस टॉपले, जॉन टर्नर, क्रिस वोक्स।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 970 अंक चढ़कर 71 हजार के पार

नईदिल्ली। चौतरफा लिवाली के दम पर हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को देसी शेयर बाजार अपने नए ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए। आज के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 970 अंक मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 274 अंक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। व्यापक बाजारों में,बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक भी क्रमश: 36,229 और 41,984 के नए ऑलटाइम हाई पर पहुंच गए। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 969.55 अंक यानी 1.37 फीसदी की भारी बढ़त के साथ 71,483.75 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 70,655.97 और 71,605.76 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टीमें भी 273.95 अंक यानी 1.29 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 21,456.65 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 21,235.30 और 21,492.30 के रेंज में कारोबार हुआ।

भारत का एक्सपोर्ट नवंबर में 2.83 प्रतिशत घटकर हुआ 33.9 अरब डॉलर

नईदिल्ली। भारत का निर्यात इस साल नवंबर में 2.83 प्रतिशत घटकर 33.90 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया, जो एक साल इसी महीने 34.89 अरब अमेरिकी डॉलर था। शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह बात सामने आई। आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में आयात भी घटकर 54.48 अरब डॉलर रह गया, जबकि नवंबर 2022 में यह 56.95 अरब डॉलर था। देश का व्यापार घाटा नवंबर में 20.58 अरब डॉलर रहा। चालू वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-नवंबर अवधि में निर्यात 6.51 प्रतिशत घटकर 278.8 अरब डॉलर रहा। वहीं इस अवधि में आयात 8.67 प्रतिशत गिरकर 445.15 अरब डॉलर रहा। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि वैश्विक मंदी के बावजूद भारत का निर्यात अच्छा रहा है।

अदाणी की एईसीटीपीएल में 49% हिस्सेदारी खरीदेगी मेडिटेरेनियन शिपिंग कंपनी

नईदिल्ली। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक ज़ोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने शुक्रवार को कहा कि मेडिटेरेनियन शिपिंग कंपनी की सहयोगी कंपनी मुंडी लिमिटेड 247 करोड़ रुपये में अदाणी एन्ट्रोर कंटेनर टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड (एईसीटीपीएल) में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी। एपीएसईजेड की ओर से जारी बयान के अनुसार, इस संबंध में एक शेयर खरीद समझौते पर 14 दिसंबर 2023 को हस्ताक्षर किए गए। एईसीटीपीएल का कुल उद्यम मूल्य 1,211 करोड़ रुपये है। बयान में कहा गया, लेन-देन के लिए अभी विनियामक की मंजूरी की आवश्यकता है। लेन-देन के तीन से चार महीनों में पूरा होने की उम्मीद है। इसके पूरा होने के बाद एपीएसईजेड की एईसीटीपीएल में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी।

ईएसआईसी ने अक्टूबर में 17.28 लाख नए मेंबर जोड़े

नईदिल्ली। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने अक्टूबर में श्वस्थ्य योजना के तहत 17.28 लाख नए कर्मचारियों को जोड़ा। श्रम मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अक्टूबर 2023 में करीब 23,468 नए प्रतिष्ठान पंजीकृत हुए और ईएसआईसी की सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आए। बयान के अनुसार, नियमित वेतन पर रखे गए कर्मचारियों के ईएसआईसी के आंकड़ों से पता चलता है कि अक्टूबर में करीब 17.28 लाख नए कर्मचारियों को जोड़ा गया। युवाओं के लिए अधिक नौकरियों का सृजन हुआ। नए पंजीकरण में 25 वर्ष आयु वर्ग तक के 8.25 लाख कर्मचारी हैं। यह कुल कर्मचारियों का 47.76 प्रतिशत है। आंकड़े के अनुसार, अक्टूबर में शुद्ध रूप से 3.31 लाख महिलाएं पंजीकृत हुई। अक्टूबर महीने में कुल 51 समलैंगिक समुदाय के कर्मचारियों को ईएसआई योजना के तहत पंजीकृत किया गया।

प्रभु श्रीराम के मंदिर से स्थानीय अर्थव्यवस्था को लगेंगे पंख

प्रह्लाद सबनानी

22 जनवरी 2024 को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही पूज्य संत मंडल एवं सर संघचालक मोहन भागवत की उपस्थिति में अयोध्या में नव निर्मित प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का उद्घाटन करने जा रहे हैं। अयोध्या में निर्माणरत श्रीराम मंदिर पूरे विश्व में निवासरत हिंदू धर्मावलम्बियों के लिए न केवल विशाल आस्था के एक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है बल्कि यह देश में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा देगा और इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को जबरदस्त लाभ होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है।

वर्तमान में 2.5 करोड़ पर्यटक प्रतिवर्ष अयोध्या में पहुंचते हैं। प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण हो जाने के पश्चात पर्यटकों की यह संख्या 10 गुना तक बढ़ सकती है अर्थात 25 करोड़ पर्यटक प्रतिवर्ष अयोध्या में आ सकते हैं। एक पर्यटक यदि अयोध्या में रहते हुए 2000 रुपए का खर्च भी करता है तो 50,000 करोड़ रुपए का व्यापार अकेले अयोध्या में प्रतिवर्ष होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। धार्मिक पर्यटन के साथ ही पूरे वर्ष भर कई सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं कई प्रकार के भव्य समारोह भी अयोध्या में आयोजित होने लगेंगे, इससे कुल मिलाकर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि प्रतिवर्ष एक लाख करोड़ रुपए का व्यापार केवल अयोध्या में ही होने लगेगा। अयोध्या में होटल और रिजोर्ट का निर्माण करने हेतु 20 प्रस्ताव उत्तर प्रदेश सरकार को प्राप्त हो चुके हैं, इनमे कई फाइव स्टार होटल भी शामिल हैं। अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय स्तर का आधारभूत ढांचा एवं अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी विकसित किया जा रहा है। अयोध्या रेल्वे स्टेशन को विकसित कर लिया गया है। उक्त वर्णित व्यवस्थाओं के विकसित होने के

पश्चात अयोध्या में बढ़ने वाले धार्मिक पर्यटन से लाखों की संख्या में नए रोजगार के अवसर निर्मित होने जा रहे हैं।

प्रतिवर्ष लगभग 25 करोड़ पर्यटकों के अयोध्या पहुंचने से स्थानीय स्तर पर छोटे छोटे व्यवसायियों को भी अपार आर्थिक लाभ होगा। धर्मशाला, होटल, यातायात व्यवस्था, खाद्य सामग्री, फल, फूल आदि अन्य कई प्रकार के पदार्थों की मांग बढ़ेगी, जिसकी आपूर्ति बनाए रखने के लिए कई प्रकार के छोटे छोटे उद्योग धंधे भी अयोध्या के आस पास के गावों में विकसित होंगे। फल, सब्जी, फूल आदि पदार्थों की पैदावार भी ग्रामीण इलाकों में होने लगेगी जिससे इस क्षेत्र के किसानों को भी भरपूर लाभ होने लगेगा। अपने आप में अयोध्या आस्था के केंद्र के साथ साथ एक वाणिज्यिक केंद्र के रूप में भी विकसित होने जा रहा है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि प्रभु श्रीराम तो अपने मंदिर में बिराजेंगे ही, साथ ही इस क्षेत्र में निवास कर रहे नागरिकों को भी आर्थिक रूप से अत्यधिक लाभ होने जा रहा है। अयोध्या में पूरे विश्व से पर्यटकों के आने से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को तो जैसे पंख ही लग जाएंगे।

सेंटर फोर सोशल इम्पैक्ट एंड फिलान्थ्रोपी के अनुसार, वर्ष 2021-22 के दौरान भारत में विभिन्न मंदिरों को मिलने वाला घरेलू दान 14 प्रतिशत बढ़कर 27,000 करोड़ रुपए का हो गया है। जबकि, वर्ष 2020-21 में 23,700 करोड़ रुपए का दान विभिन्न मंदिरों को प्राप्त हुआ था। विशेष रूप से वाराणसी में काशी विश्वनाथ कोरिडोर के विकसित किए जाने के बाद से काशी विश्वनाथ मंदिर को मिलने वाला दान 500 प्रतिशत बढ़ गया है। वर्ष 2021-22 में काशी विश्वनाथ मंदिर को 100 करोड़ रुपए का दान प्राप्त हुआ था। साथ ही, इस दौरान वाराणसी में धार्मिक पर्यटन भी 1000 प्रतिशत बढ़ गया है। इसी प्रकार, उज्जैन में महाकाल कोरिडोर के विकसित होने के पश्चात बाबा महाकाल मंदिर में धार्मिक पर्यटन 1800 प्रतिशत बढ़ा है। इन धार्मिक स्थलों पर पर्यटन बढ़ने से चूंकि व्यापार बढ़ रहा है अत: इन क्षेत्रों में रोजगार के हजारों नए अवसर भी निर्मित हो रहे हैं। अब तो वृंदावन में भी बांके बिहारी कोरिडोर विकसित किया जा रहा है ताकि श्रद्धालुओं का बांके बिहारी मंदिर में पहुंचना आसान हो सके।

छत्तीसगढ़ शासन
सत्यमेव जयते
छत्तीसगढ़ महतारी

सुशासन का सूर्योदय

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
भारत सरकार

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री
छत्तीसगढ़ शासन

प्रधान मंत्री
आवास योजना-ग्रामीण
Pradhan Mantri Awaas Yojana-Gramin

मोदी की गारंटी

छत्तीसगढ़ के 18 लाख से अधिक

पात्र परिवारों को अब मिलेगा पक्का आवास

मुख्यमंत्री
श्री विष्णु देव साय
उप मुख्यमंत्री द्वय
श्री अरुण साव एवं श्री विजय शर्मा
ने पहली केबिनेट बैठक में लिया ऐतिहासिक निर्णय
हर पात्र परिवार को मिलेगा प्रधानमंत्री आवास

हमने बनाया है, हम ही सवारेंगे

संकल्प निभाएंगे
छत्तीसगढ़ को खुशहाल बनाएंगे

सबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

संवाद- 39115/124

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.